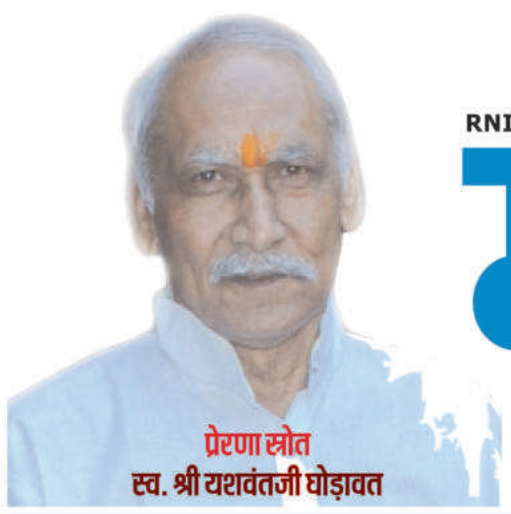

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

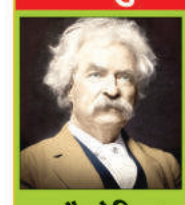

लोगों को मुर्ख बनाना आसान है, लेकिन उन्हें यह समझाना कठिन है कि उन्हें मुर्ख बनाया गया है।

मार्क ट्वैन

वर्ष-05, अंक - 45 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 10 अगस्त 2023 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

राहुल गांधी फ्लाइंग किस पर हुआ बवाल, स्पीकर तक पहुंचा मामला

नई दिल्ली, एजेंसी।

लोकसभा में बुधवार को अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान एक विवाद खड़ा हो गया। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लोकसभा से बाहर जाते हुए अभद्र इशारा किया, जिसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। स्मृति का आरोप था कि, संसद में जब महिला सांसद बैठी हुई थीं तब कोई इस तरह फ्लाइंग किस का इशारा करके जाए तो यह काफी अभद्र है।

स्मृति ईरानी के बयान के बाद राहुल गांधी से जुड़ा ये मामला काफी बड़ा हो गया है। करीब 22 महिला सांसदों ने स्पीकर ओम बिड़ला को चिट्ठी लिखी है और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ एक्शन लेने की मांग की है। भाजपा सांसद पूनम महाजन ने राहुल को बर्खास्त करने की अपील की है, जबकि रीता बहुगुणा जोशी का आरोप है कि राहुल ने ट्रेजरी बेंच की ओर फ्लाइंग किस किया था।

सदन से बाहर निकलने के बाद केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भी कहा कि, हमने आजतक सुना था कि ऐसा सिर्फ सड़कों पर होता है, लेकिन अब ऐसा संसद में भी हो रहा है जो कि काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी का आचरण बेशर्मी की पराकाष्ठा है।

स्मृति ईरानी ने ये लगाए आरोप...?

अपने संबोधन में स्मृति ईरानी ने कहा कि, एक बात पर मैं आपत्ति जताना चाहती हूं। जिनको आज मुझसे पहले वक्तव्य देने का अधिकार दिया गया, उन्होंने जाते-जाते अभद्र लक्षण के दर्शन दिए। जब सदन में महिला सांसद बैठी हुई हैं, उस वक्त फ्लाइंग किस का इशारा किया गया। ऐसे गरिमा विहीन आचरण को सदन में कभी नहीं देखा गया। स्मृति ईरानी ने तीखा हमला करते हुए कहा कि, ये उस खानदान के लक्षण हैं, जिसे आज देश ने भी देख लिया है। केंद्रीय मंत्री के इस आरोप के बाद सदन में हंगामा हुआ, इतना ही नहीं भारतीय जनता पार्टी की ओर से राहुल गांधी के खिलाफ इस मामले में शिकायत भी दर्ज कराई जा सकती है।

जिसके नाम से थर्राता था चंबल अब वो भाजपा को देंगे चुनौती

भोपाल। मध्य प्रदेश में इसी वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव से पहले कांग्रेस ने यहां भाजपा को बड़ा झटका दिया है। चुनाव से पहले कांग्रेस को यहां पूर्व कुख्यात डकैत मलखान सिंह का साथ मिल गया है। पूर्व डकैत मलखान सिंह ने बुधवार को कांग्रेसी पार्टी ज्वाइन कर लिया। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ सिंह और नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह की मौजूदगी में भोपाल स्थित कार्यालय में मलखान सिंह कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए।

कांग्रेस का हाथ थामने के बाद मलखान सिंह ने कहा, भाजपा को छोड़ने के बाद आज मैं कांग्रेस पार्टी में शामिल हो रहा हूं। मैंने भाजपा के लिए प्रचार किया था और मुझे लगा था कि यह सिद्धांतों की पार्टी है और यह सिद्धांतों के साथ काम करेगी। लेकिन मैंने ऐसा भ्रष्टाचार नहीं देखा। 50 वर्षों में जितना भ्रष्टाचार कांग्रेस ने नहीं किया महज 20 वर्षों में भाजपा ने उससे ज्यादा भ्रष्टाचार किया।

मलखान सिंह ने आगे कहा, मैं वो नेता नहीं हूं जो राजनीति करता है। मैं क्रूरता से कभी समझौता नहीं करूंगा। अगर जनता में अन्याय होता है तो मैं इसके खिलाफ लड़ूंगा और कभी समझौता नहीं करूंगा।' बता दें कि साल 1982 में मलखान सिंह ने उस वक्त के मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह के सामने सरेंडर किया था। कांग्रेस में शामिल होने के बाद मलखान सिंह ने अपनी सरेंडर को लेकर एक कहानी भी बताई।

मलखान सिंह ने बताया, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी मेरे सरेंडर को लेकर आगे आए। मैंने रामजानकी मंदिर के

लिए 100 बीघा जमीन की मांग की थी और जब मंदिर के लिए जमीन मिल गई तब मैंने सीएम अर्जुन सिंह के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। मलखान सिंह के अलावा भाजपा नेता सुहानी कुशवाहा और पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी संतोष शर्मा ने भी आज कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया।

मलखान सिंह के कांग्रेस में शामिल होने के बाद कमलनाथ ने कहा, मैं कांग्रेस पार्टी में शामिल होने पर मलखान सिंह का स्वागत करता हूं। आज सभी वर्ग मुश्किल में है और युवाओं का भविष्य अंधेरे में हैं। हर तरफ भ्रष्टाचार हो रहा है। आज जिन्होंने कांग्रेस पार्टी ज्वाइन किया है उन्होंने सच का समर्थन किया है।

कांग्रेस नेता कमलनाथ ने कहा कि, आज विश्व आदिवासी दिवस है लेकिन राज्य के लोग मुश्किल में है। देश में मध्य प्रदेश एक ऐसा राज्य हो गया है जहां आदिवासियों पर काफी अत्याचार हो रहा है। कानून व्यवस्था पूरी तरह नष्ट हो चुकी है और महिलाओं को टॉर्चर किया जा रहा है।

बागेश्वर वाले बाबा के बाद अब पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा कराएंगे कमलनाथ

भोपाल।

मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम और कांग्रेस के दिग्गज नेता कमलनाथ अपने एक बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। दरअसल, छिंदवाड़ा में कमलनाथ ने धीरेंद्र शास्त्री की एक कथा आयोजित कराई थी। राज्य के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने इसे चुनावी भक्ति बताते हुए जमकर अटैक किया। सूबे में नवंबर-दिसंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में अब कमलनाथ ने बताया कि वो मशहूर कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा भी करवाने वाले हैं।

'हिंदू राष्ट्र' वाले बयान पर मचा बवाल

कमलनाथ से पूछा गया कि, क्या वो धीरेंद्र शास्त्री के 'हिंदू राष्ट्र' की मांग करने वाले एजेंडे का सपोर्ट करते हैं? उन्होंने कहा, 'बनाने की क्या बात है... 82 परसेंट हिंदू तो हैं हीं। जिस देश में इतनी बड़ी फीसदी में हैं... वहां कोई बहस की बात है? 82 परसेंट यदि भारत में हिंदू हैं तो हम कहें कि यह हिंदू राष्ट्र है।' पूर्व सीएम के इस बयान को लेकर कई दल कांग्रेस पर हमला कर रहे हैं। लेकिन सबसे बड़ा झटका विपक्षी महागठबंधन से मिला है।

सितंबर में होगी पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि, पूर्व सीएम कमलनाथ सॉफ्ट हिंदुत्व की राह पर चलकर हिंदू वोटरों को लुभाना चाहते हैं। मध्य प्रदेश में बागेश्वर धाम वाले धीरेंद्र शास्त्री और पंडित प्रदीप मिश्रा के लाखों की संख्या में भक्त हैं। इनकी कथाओं में आम लोगों के अलावा प्रभावशाली लोग भी पहुंचते हैं। ऐसे में बागेश्वर वाले बाबा के बाद अब कमलनाथ प्रदीप मिश्रा की कथा कराएंगे। पूर्व सीएम ने खुद बताया कि, पंडित प्रदीप मिश्र ने सितंबर की तारीख बताई है। उनका भी स्वागत किया जाएगा। यानी चुनाव से पहले ही कमलनाथ प्रदीप मिश्र की कथा सुनेंगे।

चांद के बेहद करीब पहुंचा चंद्रयान-3

नई दिल्ली, एजेंसी।

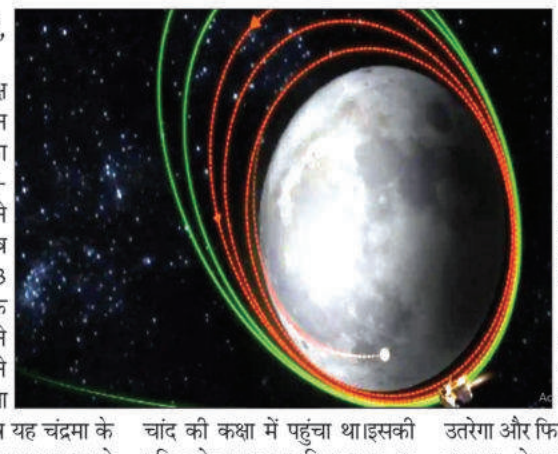

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का महत्वाकांक्षी चंद्रयान-3 मिशन अब अपने लक्ष्य के बेहद करीब है। आज चंद्रयान-3 चंद्रमा की ओर एक कदम और चलने वाला है। इसरो ने इसकी एक और कक्षा घटा दी है। यानी अब यह चंद्रमा के और करीब से चक्कर लगाएगा। इससे पहले रविवार को इसकी कक्षा घटाई गई थी और 170 बाय 14313 किलोमीटर की अंडाकार ऑर्बिट में चक्कर लगा रहा है। अब यह 174 बाय 1437 किलोमीटर की कक्षा में चक्कर लगाएगा।

इससे पहले 5 अगस्त को चंद्रयान चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण के संपर्क में आया था और इसकी कक्षा में स्थापित हो गया था। यह इसरो के लिए बड़ी सफलता थी। बता दें कि 22 दिन के सफर के बाद चंद्रयान चांद की कक्षा में पहुंचा था।इसकी गति को कम कर दिया गया था जिससे यह चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण से प्रभावित हो सके। इसके बाद याने के फेस को पलटा गया और आधे घंटे तक फायर किया गया।

चंद्रमा के करीब पहुंचते ही चंद्रयान ने सुंदर तस्वीरें भेजी थीं। इसरो ने वेबसाइट पर इसका वीडियो अपलोड कियाथा। लैंडर और रोवर के चंद्रमा पर उतरने से पहले चंद्रयान अभी दो बार और अपनी कक्षा बदलेगा। यह धीरे-धीरे चंद्रमा के करीब ही जाता रहेगा। इसके बाद लैंडर रोवर के साथ सॉफ्ट लैंडिंग करेगा। खास बात है कि भारत चंद्रयान की लैंडिंग दक्षिणी ध्रुव पर कराने वाला है जहां अभी किसी देश ने लैंडिंग नहीं करवाई है।

चंद्रयान के लैंडर और रोवर चांद पर 14 दिन तक प्रयोग करेंगे। पहले लैंडर उतरेगा और फिर उसमें से रोवर बाहर आएगा। रोवर बाहर कुछ दूर तक चलकर रिसर्च करेगा और सारी जानकारी लैंडर को देगा। लैंडर सारी इन्फॉर्मेशन ऑर्बिटर को पास करेगा जो कि धरती तक ट्रांसमिशन करेगा। इससे चंद्रमा की मिट्टी का अध्ययन किया जाएगा साथ ही पता लगाया जाएगा कि चंद्रमा पर भूकंप कैसे आते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि दक्षिणी ध्रुव बेहद ठंडा रहता है ऐसे में यहां पानी की मौजूदगी की भी जानकारी मिल सकती है। 14 दिन के बाद इस हिस्से में अंधेरा होने लगेगा।

45 हजार रुपए की तनख्वाह वाला करोड़ों में खेलता मिला

भोपाल। मध्य प्रदेश में काली कमाई का एक और बड़ा खिलाड़ी पकड़ा गया है। एक रिटायर्ड स्टोरकीपर के ठिकाने पर लोकायुक्त की छापेमारी में करोड़ों की संपत्ति बरामद की गई है। लोकायक्त भोपाल की टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। 45 हजार रुपए मासिक वेतन की नौकरी करने वाला स्टोर कीपर की अब तक 10 करोड़ से अधिक की संपत्ति सामने आई है।

आरोपी अशफाक अली निवासी लटेरी जिला चिकित्सालय राजगढ़ में स्टोर कीपर के रूप में नियुक्त था। लोकायुक्त को उसके खिलाफ गोपनीय सूचना मिली थी। आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत पर टीम ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज करके छापेमारी की। लोकायुक्त एसपी मनु व्यास ने इसकी पुष्टि की। भोपाल के साथ ही अशफाक अली के विदिशा स्थित ठिकानों पर भी छापेमारी की गई। छापेमारी में 46 लाख रुपए के गहने, 20 लाख रुपए कैश समेत अचल-अचल संपत्तियों के कागजात मिले हैं। परिवार के सदस्यों के नाम पर 16 से अधिक अचल संपत्तियों की जानकारी मिली है। 50 से अधिक अचल संपत्तियों के कागजातों की जांच चल रही है।

अशफाक अली की कोठी बेहद आलीशान है, जिसकी कीमत करोड़ों में बताई जा रही है। लटेरी में आरोपी का एक निर्माणाधीन शॉपिंग कॉम्पलेक्स भी मिला है। एक तीन मंजिला इमारत में स्कूल चल रहा है। छापेमारी के दौरान एक बैग में कैश भरा मिला। नोटों को गिनने के लिए मशीन मंगवाई गई। अली की कोठी में विलासिता के ढेरों सामान मिले हैं।

मणिपुर में जो हो रहा है वह मिजोरम, नागालैंड तक फैल सकता है- ललन सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद राजीव रंजन सिंह 'ललन' ने मणिपुर में हिंसा पर केंद्र की घेरते हुए कहा कि, राज्य में फैली अशांति नागालैंड और मिजोरम तक फैल सकती है और पूरी पूर्वोत्तर सीमा को प्रभावित कर सकती है। भाजपा की पूर्व सहयोगी जदयू के ललन सिंह ने एनडीए सरकार के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के दौरान कहा, आप मणिपुर को हल्के में नहीं ले सकते। आज जो घटना मणिपुर में हुई, कल मिजोरम में होगी, परसों नागालैंड में हो सकती है और इसका असर पूरी पूर्वोत्तर सीमा पर पड़ेगा। आप मामले की गंभीरता को नहीं समझ रहे हैं।

जदयू नेता ने कहा कि, मणिपुर में डबल इंजन सरकार है, फिर भी राज्य के लोग सरकार पर विश्वास खो रहे हैं। दोनों समुदायों के बीच बहुत नफरत है, दोनों समुदायों ने सरकार पर विश्वास खो दिया है। ललन सिंह ने इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, मणिपुर जल रहा है और एक भी शब्द नहीं बोला गया है। इतनी बड़ी घटना हुई और पीएम ने एक भी शब्द नहीं बोला। उन्होंने आगे कहा कि, आप देश की अन्य घटनाओं से तुलना करके मणिपुर को उचित ठहरा रहे हैं। क्या यह प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी नहीं है कि वह इस मामले पर कुछ कहें?

जदयू नेता ने हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में चुनावी हार को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी तंज किया। कहा कि अमित शाह ने कहा था कि वे हिमाचल प्रदेश जीतेंगे, लेकिन उनकी भविष्यवाणी विफल रही। इसी तरह, वे कर्नाटक भी हार गए और इसी तरह वे 2024 का चुनाव भी हार जाएंगे।

धूमधाम से मना आदिवासी दिवस, रिकॉर्ड तोड़ भीड़ ने उड़ाए राजनीतिक दलों के होश

कांग्रेस नेताओं ने आयोजन में की शिरकत, भाजपा ने बनाई दूरी

माही की गूंज, पेटलावद।

स्थानीय शासकीय महाविद्यालय पेटलावद में सयुक्त राष्ट्र संघ यूएनओ द्वारा घोषित 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर जयस संगठन द्वारा विघम आयोजन किया गया । आयोजन में उपस्थित जनसैलाब ने राजनीतिक दलों के होश उड़ा दिए। इस आयोजन में लगभग 15 से 20 हजार लोग शामिल हुए। आलम ये था कि कानवन रोड स्थिति महाविद्यालय से लेकर नगर के गांधी चौक तक भीड़ बनी रही। हजारो की भीड़ के बीच कार्यक्रम का शुभारंभ आदिवासी जननायकों टंट्या भील, बिरसा मुंडा , भीमराम अम्बेटकर , वीरांगना दुर्गावती, पैसा कानून के जनक स्व. दिलिप सिंह भूरिया की प्रतिमा पर माल्यापर्ण कर किया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण अजाक्स के प्रीतम मुनिया ने दिया। जयस की नारी शक्ति कार्यवाहक अध्यक्ष नितिका पचाया द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयस के पूर्व अध्यक्ष कांतिलाल भाबर ने आदिवासी दिवस क्यो मनाया जाता है और आदिवासीयो के संवैधानिक अधिकार क्या है की जानकारी दी। आयोजन के कार्यवाहक अध्यक्ष ईश्वर गरवाल ने बताया कि, इस समय सबसे बड़ी समस्या आदिवासियो की भूमि अधिग्रहण की है और जमीन हमारी माँ है इसे किसी कीमत पर नही छोड़ेंगे। युवा जयस कार्यकर्ता धर्मेद डामोर ने मणिपुर की घटना पर आक्रोश व्यक्त करते हुवे बताया कि, हमारी माता बहने सुरक्षित नही है। हमे इस प्रकार की घटना को अंजाम देने वालो को फाँसी की सजा दिलवानी है ओर इसे सरकार की नाकामी बताया। हाल ही में 13 वर्ष की शासकीय सेवा इंजीनियर से समाज सेवा की भावना लेकर त्यागपत्र देकर सुर्खियों में आए बाबूलाल गामड़ ने वर्तमान में शासकीय कार्यों में लालफीताशाही और जनप्रतिनिधियों द्वारा शासकीय कर्मचारियों को अकारण मानसिक रूप से प्रताड़ित करने पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया ओर कहा कि चाहे अधिकारी हो या चाहे जनप्रतिनिधि हो छोटे कर्मचारियों को प्रताड़ित नहीं करना चाहिए इससे उनका मनोबल टूटा है मैं स्वयं इसका उदाहरण हूं। वही कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयस जिला प्रभारी प्रकाश डामोर ने मौजूदा विधायकों और सांसदों के द्वारा आदिवासी पर हो रहे अत्याचार पर आवाज नहीं उठाने नहीं उठाने को लेकर सवाल किए और अपने भाषण में जिले में मेडिकल कॉलेज और कृषि कॉलेज खोलने सहित कई बड़ी मांगे आदिवासी क्षेत्र के लिए की। उक्त गरिमामय समारोह में विधायक वालसिंह मेड़ा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष मालू अकमाल डामोर, युवा कार्यकर्ता सुनील बाबू, नारायण सिंह सोलंकी, दशरथ बारिया ,विजय राज वसुनिया,अमर सिंह देवड़ा, अजित सिंह, अमर सिंह वसुनिया ने अपने अपने विचार व्यक्त किए।

हुआ स्वागत, भाजपा ने बनाई दूरी

रैली के नगर भ्रमण के दौरान जगह-जगह पर राजनीति दलों और संगठनों ने स्वागत कर फूलों की वर्षा की, जिला पंचायत उपाध्यक्ष मालू डामोर, विधायक वालसिंग मेड़ा ने अलग-अलग मंचो से स्वागत किया। वही दूसरे संगठन में स्वागत करते नजर आए लेकिन इस पूरे आयोजन के दौरान भाजपा के शीर्ष नेता और आदिवासी नेता गायब रहे। आयोजन स्थल पर भी कई भाजपाई दूर से वीडियो बनाते देखे गए लेकिन कोई बड़ा पदाधिकारी मंच तक नही पहुँचा। इस आयोजन में उमड़ी भीड़ में वर्ष 2018 में हुए आयोजन का रिकॉड तोड़ दिया। इसके बाद जयस सहित समस्त आदिवासी संगठनों ने सेक्टर अनुसार आयोजन करना शुरू कर दिए थे। इस वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए विकास खण्ड स्तर पर आयोजन कर संगठन की उपस्थिति दर्ज करवाने का प्रयास किया गया। जिंसमे जयस को सफलता मिलती दिखी ओर भाजपा और कांग्रेस को अपनी चुनावी रणनीति पर सोचने पर मजबूर कर दिया।

मेरी माटी-मेरा देश अभियान के अंतर्गत जगह-जगह हुआ पौधरोपण

जामली

माही की गूंज, जामली।

मेरी माटी-मेरा देश के अंतर्गत पूरे मध्य प्रदेश में 9 अगस्त से 15 अगस्त तक मनाया जाएगा। इसी अभियान के अंतर्गत वीरों के सम्मान में निकली। कलश यात्रा ग्राम जामली में मेरी माटी-मेरा देश अभियान मैं विभिन्न आयोजन किया गया। आयोजन में छात्रावास की कन्याओं और पंचायत के कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि और शिक्षकों ने कलश यात्रा में भाग लिया। वहीं कलश यात्रा छात्रावास भवन पर पहुंचने पर वृक्षा रोपण भी किया गया एवं महिला सरपंच शांति अंबालाल दायमा द्वारा राष्ट्रीय तिरंगा फहराया, राष्ट्रगान गाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मौजूद महिला सरपंच शांति अंबालाल दायमा, उपसरपंच प्रेमराज पाटीदार ,सचिव रोजगार सहायक, छात्रावास अधीक्षक, शिक्षकगण एवम् छात्रावास बालिका मौजूद थी।

माही की गूंज, थांदला।

''मेरी माटी-मेरा देश'' के समापन अवसर पर वसुधा का सर्वंधन, वीरो का अभिनंदन के अंतर्गत महाविद्यालय में मुख्य अतिथि अमित शाहजी जनभागीदारी समिति अध्यक्ष एवं विशेष अतिथि दिनेश कुमार मोर्य वनक्षैत्राधिकारी थांदला एवं प्राचार्य डॉ. पीटर डोडियार की अध्यक्षता में पौधा रोपण कार्यक्रम किया गया। जिसमें महाविद्यालय के स्टाफ एवं विद्यार्थी द्वारा 75 पौधों का रोपण कर इनकी सुरक्षा एवं सर्वधन हेतु शपथ ली गई एवं महाविद्यालय में अमृत वाटिका लगाई गई। उक्त कार्यक्रम में प्रो. एसएस. मुवेल, प्रो मनोहर सोलकी, प्रो. विजय मावी, प्रो. हिमांशु मालवीया, डॉ. जी.एल. भालसे, डॉ. राकेश चैरे, प्रो. रितु राठौर, प्रो. सीएस. चैहान, डॉ. राजेन्द्र सिंह चैहान, डॉ. मंजुला मण्डलोई, डॉ. दीपिका जोशी, डॉ. सुनिताराज सोलंकी, प्रो. कचंना बारस्कर, प्रो. केशरसिंह डोडवे, विजय मावडा, के.एस. चैहान, दिनेश मोरिया, विक्रम डामोर, रमेश डामोर, दलसिंह मोरी, प्रताप कटारा, आदेश जागड़े, प्रफ्फुल धमानिया, रमेश गरवाल, अजय , जामूसिंह देवदा, सुनिल, अश्विन डामोर, दीपक डाबी, गोलु सिगाडिया, के साथ बडी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे कार्यक्रम का आभार रासेयों प्रभारी डॉ. छगन वसुनिया ने माना।

माही की गूंज, अमरगढ़।

एक तरफ जहां 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस की धूम देखने को मिली। वहीं दूसरी ओर ÷मेरी माटी-मेरा देश अभियान÷ के तहत ग्राम पंचायत के तत्वावधान में रैली निकालकर पौधरोपण किया गया। बता दे कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा 30 जून रविवार के दिन ÷मन की बात÷ रेडियो के माध्यम से मेरी माटी-मेरा देश अभियान को जारी करने का ऐलान किया था। ये अभियान आजादी के अमृत महोत्सव के बाद अब स्वतंत्रता दिवस के लिए आयोजित किया जाएगा। मेरी माटी-मेरा देश अभियान पूरे देश में 9 अगस्त से लेकर 30 अगस्त तक चलाया जा रहा है। जिसमें पूरे भारत की अलग-अलग जगहों पर शहीदों को सम्मान दिया जाएगा। जिसके लिए अलग-अलग जगहों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मेरी माटी-मेरा देश अभियान के तहत कई सारे विभिन्न कार्यक्रम सात दिनों तक आयोजित किए जाएंगे। जिसमें देश के सभी ग्राम पंचायतों में स्वतंत्रता सेनानियों की याद में स्मारक बनाए जायेंगे। इन स्मारकों को 'शिलाफल' कहा जायेगा।

थांदला

मेरी माटी-मेरा देश अभियान के तहत ग्राम पंचायत अमरगढ़ में ग्राम पंचायत के तत्वावधान में स्कूली बालिकाओं के साथ एक बालिका के सिर पर कलश रखकर रैली निकाली गई। रैली में ग्रामीण ढोल-मांदल के साथ पौधारोपण स्थल तक पहुंचे। जहां पर सर्वप्रथम ग्राम पंचायत सरपंच ने तिरंगा फहराकर कार्यक्रम शुरू किया। जिसके बाद समस्त ग्रामीणों के साथ ग्राम की स्कूल के शिक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका, समस्त वार्ड मेंबर ने पौधरोपण किया। कार्यक्रम के अंत मे स्कूली विद्यार्थियों के साथ रैली में आये सभी ग्रामीणों को स्वल्पाहार वितरित किया गया।

कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सरपंच के साथ उपसरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, बीएलओ, प्राथमिक के साथ माध्यमिक स्कूल के शिक्षकगण, सभी वार्ड मेम्बर्स, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका व बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

माही की गूंज, बनी।

मेरी माटी, मेरा देश अभियान पीएम नरेंद्र मोदी ने 30 जुलाई को मन की बात के 103 वे संस्करण के दौरान मेरी माटी, मेरा देश अभियान की घोषणा की थी। इस अभियान में वीरों को याद करने के लिए देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगें। अभियान 9 अगस्त से 30 अगस्त तक निर्धारित है इस कार्यक्रम का खास महत्व यह है कि, देश आजादी के 75 वर्ष पूर्ण कर चुका है, इस कार्यक्रम के तहत देश के वीर सपूतों को याद कर आजादी का पर्व मनाएंगे।

मेरी माटी, मेरा देश अभियान 9 अगस्त से शुरू हुआ, जिसके तहत 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस तक ग्राम पंचायत में निर्धारित कार्यक्रम किए जाएंगे। मेरी माटी, मेरा देश अभियान के तहत ग्राम पंचायत बनी में नन्ही मुन्नी बालिकाओं द्वारा सिर पर कलश रखकर पौधारोपण स्थल तक पहुंची। कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत भवन पर ध्वजारोहण कर शुरू किया। इस कार्यक्रम के दौरान सरपंच नानूडी बाई मचार, कालुसिंह मचार, सचिव देवीलाल भाबर, पंच नन्नू मुनिया, संगीता पाटीदार, रामेश्वर मुनिया, और कमला डिंडोर बसंती पाटीदार सूरज मचार सविता चावड़ा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित थी।

पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान अमरूद, सीताफल, जामुन के पौधे लगाए गए तत्पश्चात ग्राम पंचायत के द्वारा बच्चों को स्वल्पाहार दिया गया।

माही की गूंज, खवासा।

खवासा में भी अभियान के अंर्तगत शासकिय बालक उ.मा.वि के विद्यार्थीयो की एक रेली निकाली गई। वही स्कूल में पोधरोपण किया गया।

बनी

अमरगढ़

दुर्घटना में ड्राइवर की मौत, आक्रोशित परिजनों नें वाहन मालिक के घर के सामने शव रख किया प्रर्दशन

माही की गूंज ,पेटलावद।

मंगलवार शाम को बदनावर क्षेत्र के हुई एक सड़क दुर्घटना में ड्राइवर गणेश योगी निवासी खवासा की मौत के बाद बुधवार को मृतक के परिजनों और क्षेत्र के वाहन ड्राइवरों ने थांदला रोड़ स्थित मकान मालिक के घर को घेर कर मृतक का शव रखकर प्रदर्शन किया। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुचकर स्थिति को संभालने की कोशिश की। मामले की गम्भीरता को देखते हुए एसडीएम राजस्व अनिल कुमार राठौर और एसडीओपी सौरभ तोमर मौके पर पहुँच कर मृतक के परिजनों से चर्चा कर मामले को शांत करने की प्रयास किया। म्रतक के परिजनों का आरोप है कि, दुर्घटना के बाद वाहन मालिक ने इलाज तक के लिए परिवार की सूद नही ली। आपसी सुलह समझौते के बाद मामला शांत हुआ।

कांग्रेस नेताओं ने किया स्वागत

माही की गूंज, करवड़।

पेटलावद विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम करवड़ में 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंच लगाकर स्वागत किया। स्वागत में विधायक प्रतिनिधि शैलेंद्र सिंह राठौर गंगाखेड़ी, यूथ कांग्रेस जिला महासचिव सुरेश गामड़, सारंगी ब्लॉक उपाध्यक्ष भैरूसिंह चौहान, नगर अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह झाला गंगाखेड़ी, सरपंच पति जितेंद्र भाभर के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। जिसमें उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ता पराग गामड, दिनेश बामनिया, जितेंद्र गामड, गुड्डू मेडा, भैरू भूरिया, जुगल गामड़, प्रकाश डामर, पप्पू कटारा सेमलपाड़ा एवं आसपास क्षेत्र के ग्रामीण जन और समाज के लोग उपस्थित रहे।

विश्व आदिवासी दिवस पर आसपास क्षेत्र से आए महिलाएं-पुरुष और छोटे-छोटे बच्चों का अलग-अलग समूह बनाकर ड्रेस कोड में नाचती गाती डीजे की धुन पर रैली निकाली गई। जिसके बाद सैकड़ों युवक-युवतियां पेटलावद पहुंचे।

बोल बम-बोल बम के साथ निकली कावड़ यात्रा

माही की गूंज, जामली।

बोल बम-बोल बम, हर-हर, भोले शंभू भोले नाथ के जयकारों के साथ निकली कावड़ यात्रा ग्राम जामली के ग्रामीणों द्वारा शिव मंदिर से शिवकुंड महादेव मंदिर के लिए 15 से 20 किलो मीटर की पैदल कावड़ यात्रा निकाली गई। कावड़ यात्रा का शुभारंभ गांव के शिव मंदिर से ढोल बाजे के साथ जल भर के हुआ। शोभायात्रा गांव के गली-मोहल्ले में होते हुए निकली। जिसमें काफी संख्या में महिलाओं द्वारा कलश तो कई श्रद्धालु द्वारा हाथ में कावड़ में जल भर जयकार के साथ कावड़ यात्रा निकली। जिसमें काफी संख्या में श्रद्धालु मोजूद रहे। वही छोटे-छोटे बच्चे, बड़े-बूजुर्ग, महिलाएं व पुरुष भी इस यात्रा का आनंद लेने को पैदल चलते दिखाई दिए।

माही की गूंज, खवासा।

सोमवार को षिव षक्ति कावड़ा समिती खवासा के आव्हान पर खवासा से कावड़ यात्रा निकाली गई। उक्त कावड़ यात्रा में करीब 1 हजार कावडियो ने भाग लिया जिसमें अधिकाष महिलाए रही। कावडिये, समिती द्वारा व्यास्था किये गये वाहनो से भेरूगढ़ के माही तट पहुचे जहा से जल भरकर करिब 12 कि.मी पैदल चलकर खवासा बम-बम भोले के जयकारो के साथ पहुचे। खवासा के मुख्य षिव मंदिर पर कावडिये पहुचे और षिवलिंग की पुजा-अर्चना के साथ जल चढाया। जिसके पष्चात मुकेष पाटीदार (हाडीकुंडी) द्वारा भोजन प्रसादी की गई जहाँ सभी कावडीयो ने भोजन प्रसादी का लाभ लिया।

सावरिया सेठ मन्दिर पर शिव पुराण कथा का आयोजन

माही की गूंज, थांदला।

स्थानीय सावरिया सेठ मन्दिर पर नो दिवसीय भव्य शिव पुराण का वाचन दाहोद-गुजरात के सुप्रसिद्ध आचार्य पण्डित जैमिन शुक्ल के मुखारविंद से प्रारंभ हुआ। कथा के प्रथम दिवस ही मातृ शक्ति में कथा श्रवण के लिए विशेष उत्साह देखा गया। प्रथम दिवस आचार्य द्वारा शिव पुराण का महत्व, शिव पुराण का मत एवम शिव पुराण में बारह संहिताये के बारे में विस्तार से बताया। आपने कथा में कहा कि, शिव पुराण सभी पुराणों में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण व सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली पुराणों में से एक है। भगवान शिव के विविध रूपों, अवतारों, ज्योतिर्लिंगों, भक्तों और भक्ति का विशद् वर्णन किया गया है। इसमें शिव के कल्याणकारी स्वरूप का तात्त्विक विवेचन, रहस्य, महिमा और उपासना का विस्तृत वर्णन है। शिव पुराण में शिव को पंचदेवों में प्रधान अनादि सिद्ध परमेश्वर के रूप में स्वीकार किया गया है। शिव-महिमा, लीला-कथाओं के अतिरिक्त इसमें पूजा-पद्धति, अनेक ज्ञानप्रद आख्यान और शिक्षाप्रद कथाओं का सुन्दर संयोजन है। इसमें भगवान शिव के भव्यतम व्यक्तित्व का गुणगान किया गया है। शिव-जो स्वयंभू हैं, शाश्वत हैं, सर्वोच्च सत्ता है, विश्व चेतना हैं और ब्रह्माण्डीय अस्तित्व के आधार हैं।

'शिव पुराण' का सम्बन्ध शैव मत से है। इस पुराण में प्रमुख रूप से शिव-भक्ति और शिव-महिमा का प्रचार-प्रसार किया गया है। प्रायः सभी पुराणों में शिव को त्याग, तपस्या, वात्सल्य तथा करुणा की मूर्ति बताया गया है। कहा गया है कि, शिव सहज ही प्रसन्न हो जाने वाले एवं मनोवांछित फल देने वाले हैं। किन्तु 'शिव पुराण' में शिव के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए उनके रहन-सहन, विवाह और उनके पुत्रों की उत्पत्ति के विषय में विशेष रूप से बताया गया है।

शिव पुराण में 12 संहितायें है। जिसमें विघ्नेश्वर संहिता, रुद्र संहिता, वैनायक संहिता, भौम संहिता, मात्र संहिता, रूद्रएकादश संहिता, कैलाश संहिता, शत् रूद्र संहिता, कोटि रूद्र संहिता, सहस्त्र कोटि रूद्र संहिता, वायवीय संहिता, धर्म संहिता इन संहिताओं के श्रवण करने से मनुष्य के समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं तथा शिव धाम की प्राप्ति हो जाती है। मनुष्य को चाहिये कि, वह भक्ति, ज्ञान, और वैराग्य से सम्पन्न हो बडे आदर से इनका श्रवण करे। बारह संहिताओं से युक्त यह दिव्य शिवपुराण परब्रह्म परमात्मा के समान विराजमान है और सबसे उत्कृष्ट गति प्रदान करने वाला है।

धूमधाम से श्रीमद् भागवत कथा की शुरुआत

माही की गूंज, बरवेट/पेटलावद।

श्रीमद् भागवत कथा का 7 दिनों तक श्रवण करने से मनुष्य के सात जन्मों के पाप धुल जाते है। श्रीमद्भागवत कथा परमात्मा का अक्षर स्वरूप है। यह परमहंसों की संहिता है। भागवत कथा हृदय को जागृत कर मुक्ति का मार्ग दिखाता है। भागवत कथा भगवान के प्रति अनुराग उत्पन्न करती है। ये उद्गार पेटलावद अंचल के ग्राम बरवेट में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिवस पर श्री हरिहर आश्रम के पीठाधीश्वर आचार्य डॉ. देवेन्द्र शास्त्री ने व्यक्त किये। कथा पांडाल में पहले दिन ही सम्पूर्ण अंचल सहित सीमावर्ती राज्यों से श्रद्धालुओं का जमावड़ा देखने को मिला। विशाल धर्मसभा का सम्बोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि, चित्त की स्थिरता के साथ ही श्रीमदभागवत कथा सुननी चाहिए। भागवत श्रवण मनुष्य के सम्पूर्ण कलेश को दूर कर भक्ति की ओर अग्रसर करती है। उन्होंने अच्छे ओर बुरे कर्मों की परिणिति को विस्तार से समझाते हुए आत्मदेव के पुत्र धुंधकारी ओर गौमाता के पुत्र गोकरण के कर्मों के बारे में विस्तार से वृतांत समझाया और धुंधकारी द्वारा एकाग्रता पूर्ण भागवत कथा श्रवण से प्रेतयोनी से मुक्ति बताई। वहीं धुंधकारी की माता द्वारा संत प्रसाद का अनादर कर छल-कपट से पुत्र प्राप्ती ओर उसके बुरे परिणाम को समझाया। मनुष्य जब अच्छे कर्मो के लिए आगे बढता है तो सम्पूर्ण सृष्टि की शक्ति समाहित होकर मनुष्य के पीछे लग जाती है और हमारे सारे कार्य सफल होते है। ठीक उसी तरह बुरे कर्मों की राह के दौरान सम्पूर्ण बुरी शक्तियां हमारे साथ हो जाती है। इस दौरान मनुष्य को निर्णय करना होता कि, उसे किस राह पर चलना है। छल ओर छलावा ज्यादा दिन नहीं चलता। इस अवसर पर आयोजक परिवार के प्रवीण भटेवरा, रमेशचन्द्र भटेवरा रायपुरिया, विक्रम आयशर ग्रुप के एमडी हरिओम पाटीदार बदनावर, विपिन भटेवरा, शक्ति चौहान, सुनील बसेर, नानालाल पाटीदार, मुकेश पटेल, बगदीराम पाटीदार ने व्यासपीठ की पूजन की है। कथा के विराम समय पर आरती संपन्न हुई।

कलश यात्रा के साथ हुआ शुभारंभ

सैकड़ों महिलाएं पीले वस्त्र एवं लाल साड़ियों में सिर पर कलश रख नगर के मुख्य मार्गों से निकलती हुई श्री शिव मंदिर से जल से भरे हुए नारियल युक्त कलश लेकर कथा स्थल पहुंची। कलश यात्रा का जगह-जगह पर पुष्पों से भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर मातृशक्ति समूह में श्रीमती ललिता भटेवरा, दीपशिखा भटेवरा, दीपिका चौहान ,प्रियंका बसेर सहित परिवार जन उपस्थित थे। इस अवसर पर जगन्नाथ पटेल, पुरषोत्तम पटेल बावड़ी मांगीलाल पटेल, राजेन्द्र प्रसाद त्रिवेदी, भेरूलाल रामपुरिया, रतनलाल पाटीदार सहित ग्रामीण मोजूद थे।

बस स्टैंड से चौपाटी तक रोड की हालत खराब कुंभकरणी नींद से कब जागेगा पीडब्ल्यूडी विभाग

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

सड़क पर जानलेवा बड़े-बड़े गड्ढे के चलते सारंगी चौपाटी से सारंगी बस स्टैंड 1 किलोमीटर मार्ग पर चलने वाले यात्रियों को परेशानी होती है। पी डब्ल्यू डी विभाग सड़क की दशा सुधारने की तरफ ध्यान नहीं दे रहा है। मेन सड़क होने के कारण आवागमन ज्यादा रहता है। अब बरसात के मौसम में गड्ढों में पानी भर जाने से गड्ढे दिखाई नही देते है सड़क के बीच बने गड्ढे को भरवाने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इस मार्ग से ग्रामीण क्षेत्र के कई लोगों का ओर पढ़ने वाले छोटे-छोटे बच्चों का आवागमन रहता है व स्कूल शुरू होने पर बच्चे भी इसी मार्ग से स्कूल आना-जाना करते हैं मेन मार्ग पर सड़क के बीचो-बीच जानलेवा गड्ढे बन गये है। इस रोड की दोनों साइड भी नहीं भरी हुई है, बहुत खराब होने के कारण चार पहिया वाहन वाले रोड से नीचे उतरने के लिए तैयार नहीं है छोटे वाहन को क्रॉसिंग करने में बड़ी कठिनाई होती है। ग्रामीणों का कहना है कि, टूटी हुई सड़क के गड्ढे में गिरने से दुर्घटना हो सकती है विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के कारण सड़क के बीच बने गड्ढों को मरम्मत नहीं की जा रहा है। नागरवासीयो की माने तो बरसात की वजह से आए दिन हादसे होते रहते हैं इस सड़क पर जगह-जगह जानलेवा गड्ढे बन गए हैं। समय रहते इस रोड पर अधिकारियों द्वारा ध्यान नहीं दिया गया तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

विधानसभा चुनाव पास में आते ही बढ़ रहा चुनावी पारा, पार्टी में एक - दूसरे को कमजोर करने के लिए अपनाए जा रहे नए-नए हथकंडे

अजजा मोर्चा के जिलाध्यक्ष ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर किया विधानसभा से दावेदारी का दावा, अफवाहों को दिया विराम

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

विधानसभा चुनाव भले ही विपक्षी के विरुद्ध लड़ा जाता है, लेकिन वर्तमान में टिकिट की दावेदारी के लिये राजनीतिक दलों में मारामारी चल रही है। नए संगठन हो या राष्ट्रीय पार्टियां हर तरफ एक जुट होकर चुनाव लड़ने के दावे है लेकिन धरातल पर टिकिट की राजनीतिक प्रतिस्पर्धा साफ देखी जा रही है। टिकिट के दावेदार किसी न किसी तरह से अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को कमजोर करने के लिए उनके विरुद्ध दुष्प्रचार और कमजोर बताने की कोशिश कर अपना दावा पुख्ता करने की कोशिश कर रहे है। त्र

अजजा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अजमेर भूरिया के विरुद्ध माहौल बिगाड़ने का प्रयास

पेटलावद विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 195 से इस बार मजबूत दावेदारो में एक अजजा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अजमेर सिंह भूरिया के विरुद्ध योजनाबद्ध तरीके से उन्हें टिकिट की दौड़ से बहार बताने और मुख्य दावेदारों से सुलह समझौते का दुष्प्रचार कर पार्टी में दावेवरी कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। लगातार विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय अजमेर भूरिया को इसकी जानकारी उनके समर्थकों द्वारा दी गई कि, आपका इस नेता से समझौता हो गया है। ऐसा बोल रहे है, लगातार अलग-अलग क्षेत्रो से आ रही ऐसी जानकारी के बाद अजमेर भूरिया के कान खड़े कर दिए कि, उनके विरुद्ध पार्टी में षड्यंत्र कर उनको कमजोर किया जा रहा है और अब तक मौन प्रचार में लगे अजमेर ने सोशल मीडिया पर खुलकर पोस्ट कर क्षेत्र में उनको लेकर चल रही अफवाहों पर विराम लगा दिया।

फेशबुक पोस्ट कर विधानसभा में उतरने का किया दावा

क्षेत्र में चल रही अफवाहों से परेशान अजजा मोर्चे के जिलाध्यक्ष का सब्र आखिर टुटा ओर उन्होंने सोशल साइड फेशबुक का सहारा लेते हुए एक पोस्ट के माध्यम से विधानसभा में उतरने को लेकर अप्रत्यक्ष रूप से इशारा दे दिया। पोस्ट में अजमेर भूरिया ने लिखा कि, मेरे बारे में झूठी अपवाह फैलाई जा रही है कि, मेरा किसी से समझौता हो गया है यह सरासर झूठ है और इस अफवाह में कोई कर्तकर्ता ना आये और मुझे पार्टी पर पूरा भरोसा है। पेटलावद विधानसभा के सभी मित्रो को जय श्री राम इस पोस्ट के बाद भाजपा के स्थानीय संगठन में चर्चा का दौर शुरू हो गया और टिकिट के लिए अजमेर की और से आशस्वत कई दावेदारों को झटका लगा, जिनकी रणनीति और चालाकी धरी रह गई। इस संबंध में अजमेर भूरिया से जब चर्चा की तो

उन्होंने साफ कहा कि, इस बारे में जनता ओर कार्यकर्ता का मत युवा और नए उम्मीदवार की और से जिससे बौखला कर कुछ राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी ओर उनके चालाक समर्थन मेरे विरूद्ध दुष्प्रचार का सहारा लेकर मुझे कमजोर करने का असफल प्रयास कर रहे है। भाजपा किसको टिकिट देती है उससे मुझे मतलब नही, लेकिन टिकट मांगने का अधिकार सब को है।

कावड़ यात्रा के जरिये शक्ति प्रदर्शन की तैयारी

विगत दिनों पेटलावद के जनपद अध्यक्ष रमेश सोलंकी के नेतृत्व में निकली कावड़ यात्रा के बाद अब अजमेर भूरिया मित्र मंडल के नेतृत्व में वर्षो से निकाली जा रही रायपुरिया से तारखेड़ी की कावड़ यात्रा की चर्चा शुरू हो गई है। चर्चा है कि, चुनाव को देखते हुए इस बार कावड़ यात्रा को बड़ा रूप दिया जा सकता है। कई नेता इस कावड़ यात्रा से दूरी बनाते है लेकिन इस बार अपनी उपस्थिति के लिए पहले से पहुचकर श्रेय लेने का प्रयास करेंगे।

दूसरे दलों में भी यही हाल

टिकिट की मारामारी को लेकर दूसरे दलों में भी यही हालत है। टिकिट के मुख्य दावेदारों द्वारा अन्य दावेदारों पर समझौता होने और अंतिम समय फार्म खींचने की चर्चा की जा रही है। सबसे अधिक माहौल जयस संगठन को लेकर बना हुआ है एक अनार सो बीमार वाली स्थिति है और अलग-अलग संगठन से अलग-अलग दावे किए जा रहे है। कई जयस कार्यकर्ता कांग्रेस से उतरने के दावों के साथ कांग्रेस के मुख्य नेताओं की टिकिट कटने की बात कर रहे है, तो दूसरी ओर कांग्रेस के नेता जयस के समर्थन के साथ मैदान में उतरने के दावे कर जयस के दावेदारों को कमजोर करने का प्रयास कर रहे है।

पहली बार त्रिकोणी मुकाबले की स्थिति बनी

पेटलावद विधानसभा की राजनीति परिस्थितियों के अनुसार दोनों मुख्य दल भाजपा और कांग्रेस रहे है और विगत 6 चुनाव मतलब 25 से 30 वर्षो से दोनों दल एक-दो चेहरों के इर्द गिर्द ही रहो टिकिट लगभग तय माने जाते रहे है लेकिन 2023 के अंत मे होने वाले चुनाव में न केवल राष्ट्रीय दलों के दावेदारों को टिकिट के लिए कड़ी मशक्त करनी पड़ रही है। वही कई दावेदारों की तैयारियों ने इस बार चुनाव को त्रिकोणी मुकाबले की स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है। चुनाव मैदान में अंतिम समय मे खड़े रहने वाले प्रत्याशियों के नाम मुकाबले की स्थिति साफ करेगे। ये तय है इस बार का चुनाव भाजपा और कांग्रेस के लिए न आसान है न ही सीधा मुकाबला की स्थिति रहेगी।

महिला मंडल द्वारा निकाली जावेगी कावड़ यात्रा

माही की गूंज, काकनवानी।

श्रावण के अधिक मास में मंदिर में भक्तों की भीड़ लगी रहती है। वही इस पवित्र मास में जगह-जगह ग्रामीण क्षेत्र में कावड़ यात्रा निकाली जा रही है। इसी दौर में काकनवानी सिद्धेश्वर महादेव के महिला मित्र मंडल की ओर से 11 अगस्त को भव्य रुप से बैंड बाजों के साथ कावड़ यात्रा निकालने की तैयारी कर ली गई है। यह यात्रा 10 किलोमीटर की दूरी पर जोहा नामक गांव से निकाली जावेगी। यह गांव पहले कभी राजा गधेसिंह की नगरी के नाम से प्रख्यात हुआ करता था, इस जोहा गांव से कावड़ गंगाजल भरकर चोखवाड़ा डूंगरी पाड़ा होते हुए काकनवानी सिद्धेश्वर महादेव मंदिर पर कावड़ यात्रा का समापन कर जलाभिषेक किया जाएगा। जलाभिषेक के पश्चात आरती एवं प्रसादी भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

नवागत टीआई के सामने कई चुनौतिया...

काली फिल्म लगी हुई गाड़ी अवैध शराब सप्लाई करती हुई।

शराब का परिवहन कर के आने के बाद जाम में फसी गाड़ी।

माही की गूंज, बनी।

माही की गूंज परिवार नवागत टीआई दिनेश रावत का स्वागत करता है और सच्ची खबरों के साथ सहयोग करने के लिए हमेशा तत्पर रहेगा। मगर रायपुरिया थाना क्षेत्र के अंदर अवैध शराब और सफेद पाउडर के नशे का धंधा बिना पुलिस के भय के कारण जोरो शोरो से चालू है। पूर्व टीआई इन पर अंकुश लगाने में कामयाब हुए, मगर जिला कप्तान नें उनका ट्रांसफर कर दिया। मगर जिला कलेक्टर महोदय तन्वी हुड्डा ने सभी थाना प्रभारी को सख्त आदेश दे रखा है कि, अवैध शराब का धंधा करने वाले या सफेद पाउडर बेचने वाले के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। अब देखना यह है कि, नवागत टीआई दिनेश रावत अपने वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश का पालन करते हैं या आबकारी पुलिस की तरह वरिष्ठ अधिकारी के आदेश को हवा में उड़ा देंगे। क्योंकि आबकारी विभाग को अवैध शराब कारोबारियों से तगड़ी सांठ-गांठ है। शराब ठेकेदार के द्वारा क्षेत्र में अवैध शराब का कारोबार हर गांव में चार पहिया वाहन के माध्यम से किया जा रहा है और तो और शराब ठेकेदार की चार पहिया गाड़ियों में काली फिल्म लगी हुई है जिसके कारण अंदर रखी शराब की पेटियां नजर नहीं आती है, जिससे आसानी से अवैध शराब गांव-गांव पहुचाई जाती है।

रायपुरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत शराब, पाउडर के जहर का धंधा भी काफी फल-फूल रहा है इस नशे की लत में कई युवा आकर अपनी जिंदगी बर्बाद करने में लगे हुए हैं और इस सफेद पाउडर के धंधे को बाहर से आए हुए लोगों के द्वारा स्थानीय लोगों को मिलाकर बिना पुलिस के खोफ के किया जा रहा है।

अब देखना यह है कि, नवागत टीआई दिनेश रावत अवधे शराब, काली फिल्म लगी गाड़ियां और सफेद पाउडर जहर के धंधे करने वालों पर अंकुश लगा पाएंगे।

ग्रामीण क्षेत्रों की सरकारी स्कूलों को मिले भामाशाह तो हो सकता है सुधार

रोज स्कूल आये और अच्छे परिणाम दे एसडीएम राठौर ने बच्चों को किया प्रेरित

माही की गूंज, पेटलावद।

ग्रामीण क्षेत्रो की सरकारी स्कूलों की दर्शा से उभारने के लिए अब भामाशाह की आवश्यकता है, जो कि, विकास खण्ड की नवीन प्राथमिक विद्यालय मातापाडा उन्नई को स्कूल शिक्षिका श्रीमती अनिता चौहान की प्रेरणा से लाइंस क्लब सेंट्रल के रूप में मिला। जिससे स्कूल में पढ़ रहे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को भविष्य के लिए अच्छे मार्गदर्शन मिलने की उम्मीद जगी है। ग्रामीण क्षेत्र की इस स्कूल के बच्चों को स्कूली सामग्री वितरण का कार्यक्रम संस्था द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें सहयोगी संस्था लाइंस क्लब सेंट्रल के सदस्य पहुँचे और अतिथि के रूप में एसडीएम अनिल कुमार राठौर उपस्थित रहे। अनिल कुमार ने कहा कि, आप मे से ही कल को कोई डॉक्टर, कोई पायलेट, कोई पुलिस मेन तो कोई देश का प्रधानमंत्री भी बन सकता है। बशर्ते आपको रोज स्कूल आना होगा और गुरुजनों के द्वारा दी गई सीख को ग्रहण करते हुए परीक्षा में श्रेष्ठ अंक लाना होंगे।

एसडीएम ने संस्था के शिक्षक और क्लब के सामूहिक प्रयासों की सराहना की। लायंस क्लब पेटलावद सेंट्रल ने इस स्कूल को गोद लेने के निर्णय के साथ वर्षभर की सारी गतिविधियों में भाग लेना व हर जरूरतमंद जो उपयोगी हो बच्चो को उपलब्ध करवाने का संकल्प लिया। क्लब अध्यक्ष लायन यश रामावत ने विद्यालय विकास की कार्य योजना पर प्रकाश डाला। बीईओ राकेश कुमार यादव ने कहा कि, इस प्रकार सामाजिक संस्थाए अगर ग्रामीण स्कूल को गोद लेकर बच्चो को सुविधाए प्रदान करे तो ग्रामीण अंचल की स्कूल भी किसी निजी स्कूल से कम नही होगी। इस दौरान क्लब के वरिष्ठ सदस्यों ने बच्चों को संबोधित किया। इस दौरान संकुल प्राचार्य पीएल चौहान, क्लब के वरिष्ठ सदस्य समाजसेवी प्रबोध मोदी, पारसमल कोटडिया, पवन भंडारी व ग्राम उन्नई के सरपंच प्रतिनिधि देवा मेड़ा, सचिव पंकज जे पटवा, कोषध्यक्ष हरिओम पाटीदार, मनोज जानी, राजेश जैन ,विद्यालय प्रमुख श्रीमती अनिता चौहान व सोनम खड़िया मौजूद थी।

बच्चों को स्कूल बैग, यूनिफार्म व कापियां की वितरित

विद्यालय की शिक्षिका अनिता चौहान द्वारा अपनी और से स्कूल ड्रेस भेंट कर ग्रामीण क्षेत्रो की स्कूलों के शिक्षको को प्रेरित किया और लायंस क्लब ने सभी विद्यार्थियों को टाई, बेल्ट, शूज, मोजे, स्कूल बैग, पेन का सेट, कापियों का वितरण प्रथम चरण में किया। स्कूली बच्चों सभी चीजें पाकर काफी खुश दिखे। ग्रामीण क्षेत्रो की खस्ता हालतों से उभारने के लिए इस प्रकार के सामाजिक संगठनों को आगे आना पड़ेगा जो सरकारी सुविधाओं के साथ अपने सामूहिक सहयोग के साथ ग्रामीण स्कूल को किसी निजी स्कूल की तरह तैयार कर सकते है, जिसके ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को बड़ी भारी फीस देकर निजी स्कूलों तक नही जाना पड़े। ग्राम रूपगढ़ में भी कुछ युवा तैयारी में जुटे है जो अपनी ओर से गाँव की एक स्कूल को निजी स्कूल की तर्ज पर सुविधाजनक बना सके जिससे नगर के सभी बच्चों को प्राथमिक शिक्षा के लिए बहार न जाना पड़े। लाइंस क्लब के अध्यक्ष यश रामावत ने कहा कि, ये ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा को बढ़ावा देने का अच्छा तरीका हो सकता है।

सबकुछ आइने की तरह साफ होने के बावजूद भी नही हुई कोई कार्रवाई

मामलाः प्रधानमंत्री आवास का, अधिकारी जाँच रिपोर्ट की प्रति तक नहीं दे रहे

-डेढ़ लाख के भुगतान के हितग्राही का आवास जस की तस।

माही की गूंज, पेटलावद।

विकास खण्ड की ग्राम पंचायत करडावद में प्रधानमंत्री आवास में भ्रष्ट्राचार का बड़ा सामने आया था। जब ग्राम करडावद के गोपाल आंजना ने जन सुनवाई में आवास की राशि मे हितग्राही द्वारा बिना किसी निर्माण के ग्राम पंचायत से मिलीभगत कर निर्माण के फर्जी फ़ोटो (अन्य जगह के निर्माण के) अपलोड कर राशि का भुगतान हितग्राही के खाते में कर दिया गया। मामला सामने आने के बाद गूंज ने इस मामले को पर प्रमुखता से उठाया था। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भ्रष्ट्राचार मुक्त भारत की बात करते है और भ्रष्ट उन्ही की महत्त्वकाशी योजना में भ्रष्ट्राचार से नही चूक रहे, मामला सामने आने के बाद उम्मीद थी जिम्मेदार अधिकारी इस विषय मे बड़ी कार्यवाही करेगे लेकिन शिकायत के लगभग एक माह बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई होने की जानकारी नही मिली।

शिकायतकर्ता को जांच रिपोर्ट देने में आनाकानी, अधिकारी कर रहे टालमटोल

शिकायतकर्ता गोपाल आंजना शिकायत के बाद लगातार अधिकारीयो से संपर्क कर ये जाने की कोशिश कर रहा है कि, आखिर उसकी शिकायत के बाद अधिकारीयो ने जांच में क्या पाया। लेकिन अब तक अधिकारीयो की ओर से कोई लिखित दस्तावेज नही दिया गया। शिकायतकर्ता गोपाल आंजना ने बताया कि, शिकायत के बाद जांच के लिए जनपद से कर्मचारी आई जो जांच की जगह मामले को निपटाने ओर समझौता करवाने का दबाव डालते रहे और जांच के नाम दूसरे-तीसरे मकान को देखकर निर्माण होना बताने की कोशिश करते रहे। जांच के बाद एसडीएम और जनपद सीईओ से जांच प्रतिवेदन की प्रमाणिक प्रति मांगने पर सीईओ ने जांच रिपोर्ट की कॉपी देने से मना करते हुए सिर्फ पढ़वाने की बाद कही। मंगलवार को हुई जनसुनवाई में शिकायत के निराकरण की जानकारी लेने शिकायतकर्ता एसडीएम के समक्ष उपस्थित हुआ तब कही जाकर 7 दिन बाद सोमवार को जांच रिपोर्ट की प्रति देने का आश्वासन दिया गया।

वसुली के नाम पर गुमराह, आखिर कार्रवाई कब

जांच और चर्चा के दौरान अधिकारीयो और जांच पर आए कर्मचारियों ने भ्रष्ट्राचार की पुष्टि मौखिक रूप से की। फर्जीवाड़े के बाद जनपद पेटलावद में वसुली के नाम पर गुमराह करने का खेल चल रहा है और भ्रष्टाचारियो को कानूनी कार्रवाई से बचाया जा रहा है। गोपाल आंजना ने बताया कि, अधिकारी जांच के नाम पर गुमराह कर रहे है लेकिन में मामले को लेकर कानूनी कार्यवाही करना चाहता हु, जिसके लिए मुझे न्यायालय की शरण मे जाना है और वहां जांच के दस्तावेजो की आवश्यकता है जो अधिकारी दे नही रहे है। हितग्राही ने ग्राम पंचायत के साथ मिलकर फर्जी फ़ोटो भुगतान साइड पर अपलोड कर राशि आहरण कर आपस मे बाट ली। जिसके पूरे प्रमाण मौके पर है और जांच पर आए अधिकारी उसे देख चुके है। शिकायतकर्ता ने कहा है कि, यदि इस शिकायत में जिम्मेदारो की ओर से न्याय नही मिलता है तो वो उच्च अधिकारीयो एवं न्यायालय तक भी जाएंगे।

माही की गूंज
अंचल की हलचल

जनसुनवाई में हुई शिकायत से बाहर आया मामला, धोखाधड़ी कर फर्जी फोटो लगाकर भुगतान करने का आरोप

गूंज में प्रमुखता से प्रकाशित हुई खबर।

पिछले 75 वर्षो से समाज और राष्ट्र के लिए कार्य कर रही है एबीवीपी -श्री सोलंकी

माही कि गूंज, पेटलावद।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा पेटलावद के उदय गार्डन में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमे पेटलावद नगर के 400 से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए। जिन्होंने अपनी मेहनत से 10वी, 12वी में 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए है। कार्यक्रम में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय मंत्री डॉक्टर वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि, कैसे छात्र-छात्राए अपनी पढ़ाई के साथ समाज और राष्ट्र कार्य में अपना योगदान दे सकते हैं, कैसे विद्यार्थी समाज परिवर्तन, समाज कल्याण के कार्य में सहभागी हों सकते है और उच्च शिक्षा के लिए कही भी एबीवीपी से मार्गदर्शन ले सकते है। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित पेटलावद कॉलेज की जनभागीदारी के अध्यक्ष एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉक्टर विपिन शर्मा ने विद्यार्थियों के संबोधन में कहा कि, अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए आपको आगे बढ़ना है और अपने माता-पिता गांव, शहर, जिले, प्रदेश और देश का नाम रोशन करना है। सम्मान समारोह में नगर के स्कूलों में से सीएम राइस स्कूल, मॉडल स्कूल, प्रोग्रेसिव स्कूल, सफलता स्कूल, गुरुकुल स्कूल, अमरोल्ड स्कूल, तुलसी स्कूल और कल्पतरु के 60 प्रतिशत से अधिक अंक वाले स्टूडेंट्स उपस्थित रहे। प्रतिभा सम्मान समारोह के बाद जिला संयोजक निलेश गणावा ने पुरानी कार्यकारिणी भंग करते हुए नवीन कार्यकारिणी की घोषणा कि, जिसमे महेंद्र सोलंकी को नगर अध्यक्ष एवं दर्शन सोनी को नगर मंत्री मनोनित किया।

संपादकीय

सर्विस बिल पास

आखिरकार केजरीवाल सरकार के अधिकार सीमित करने वाला दिल्ली सर्विस बिल राज्यसभा में भी पास हो गया। सोमवार को राज्यसभा में बिल के समर्थन में 131 व विरोध में 102 वोट पड़े। भले की केंद्र सरकार ने केजरीवाल सरकार के पर कुतरने वाले बिल को येन-केन-प्रकारेण पारित कर लिया हो, लेकिन

विपक्ष को एकजुट करने का मौका जरूर दे दिया। हालांकि, पहले कयास लगाए जा रहे थे कि राजग के सभी सहयोगियों के वोट मिलने के बावजूद केंद्र सरकार राज्यसभा में बिल को पारित नहीं करवा पाएगी। वह भी तब जब एक-दूसरे पर लगातार हमलावर रहने वाले आप व कांग्रेस समेत इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लुसिव अलायंस के सभी घटक बिल के खिलाफ एकजुट हो चुके थे। दरअसल, लोकसभा में बहुमत होने के चलते राजग सरकार ने बिल आसानी से पास करा लिया था, लेकिन राज्यसभा में बहुमत न होने ने उसकी चिंता बढ़ा दी। ऐसे वक्त में ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के बीजू जनता दल तथा जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआरसीपी ने राजग की नैया पार लगा दी। निश्चित रूप से इंडियन नेशनल डिवेलपमेंटल इन्क्लुसिव अलायंस इसे अपनी कामयाबी मान रहा है कि मतदान के दौरान उसके किसी सदस्य ने क्रॉस वोटिंग नहीं की। आम आदमी पार्टी को भले ही मतदान के बाद कामयाबी हासिल न हुई हो लेकिन उसका हौसला बढ़ा कि राज्यसभा में सिर्फ दस सांसद होने के बावजूद 102 सांसदों का समर्थन मिला। ऐसे ही उत्साहित इंडियन नेशनल डिवेलपमेंटल इन्क्लुसिव अलांयस भी है कि पिछले महीने बना विपक्षी गठबंधन इस दौरान एकजुट रहा। हालांकि, बहस के दौरान विपक्षी दलों के निशाने पर आम आदमी पार्टी भी रही कि उसने धारा-370 हटाये जाने के मुद्दे पर राजग सरकार का साथ दिया था। वही राजग सरकार अब दिल्ली सरकार के अधिकारों को कुतर रही है। बहरहाल, अब संसद के दोनों सदनों से पारित होने के बाद बिल राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के उपरांत कानून का रूप ले लेगा।

वहीं लोकतंत्र के पंडित मानते हैं कि, भाजपा व आप के द्वंद्व के चलते केंद्र सरकार ने केजरीवाल सरकार के पर कुतरने के लिये इस मुद्दे को प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया था। अध्यादेश व कोर्ट कचहरी के बाद केंद्र सरकार संशोधन को बिल के रूप में लाई। निस्संदेह अब दिल्ली सरकार में लेफ्टिनेंट गवर्नर की भूमिका बढ़ जायेगी। कालांतर एक स्वायत्तशासी संस्था नेशनल कैपिटल सिविल सर्विस अथॉरिटी दिल्ली सरकार के अधिकारियों की तैनाती व तबादले करेगी। कहने को तो दिल्ली सरकार के मुख्यमंत्री इस अथॉरिटी के प्रमुख होंगे,लेकिन निर्णय लेने में मुख्य सचिव व दिल्ली सरकार के गृह सचिव निर्णय को प्रभावित करेंगे। माना जा रहा है कि इन केंद्रीय अधिकारियों की उपस्थिति से केंद्र सरकार की दखल निर्णय लेने में बढ़ जायेगी। अथॉरिटी के फैसले पर अंतिम मोहर भी उपराज्यपाल ही लगाएंगे। स्पष्ट है कि इस बिल के कानून बन जाने के बाद दिल्ली सरकार के अधिकारियों की तैनाती व तबादले में आप सरकार की भूमिका कम हो जायेगी। वहीं विपक्ष इस हार को भी जीत बता रहा है। उसका कहना है कि इस सारी प्रक्रिया में विपक्ष एकजुट रहा है और अब आने वाले महासमर में राजग सरकार को कड़ी चुनौती देने के लिये कमर कस चुका है। इस बिल पर लोकसभा व राज्यसभा में मतदान के दौरान विपक्ष ने एकजुटता दिखाकर कम से कम यही संदेश देने का प्रयास किया। विपक्ष में पड़े एक सौ दो वोट यही संदेश दे रहे हैं कि आम चुनाव में राजग की राह पिछले दोनों चुनावों की तरह सहज नहीं रहने वाली है। वहीं भाजपा आरोप लगाती रही है कि दिल्ली में कांग्रेस व भाजपा की सरकार होने पर कभी अधिकार क्षेत्र मुद्दा नहीं बना। आप राजनीतिक लाभ उठाने के लिये इसे मुद्दा बना रही थी। उसकी दलील है कि दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी होने के चलते इसकी संवेदनशीलता को समझा जाना चाहिए, जिसके चलते यह संशोधन लाना पड़ा है। वहीं विपक्ष इस बिल के दौरान सामने आई एकजुटता को केंद्र सरकार के खिलाफ लाये गये अविश्वास प्रस्ताव के दौरान भी बनाये रखने को प्रतिबद्ध नजर आ रहा है।

साम्प्रदायिक राजनीति का परिणाम है हिंसा

हरियाणा के नूंह जिले में अब स्थिति सामान्य हो रही है। प्रशासन सामान्य का क्या अर्थ लगाता है यह वही जाने, पर नूंह में हुई 'साम्प्रदायिक हिंसा' जहां एक तरफ कुछ हैरान करने वाली थी, वहीं यह चिंता की बात भी है कि सांप्रदायिकता के तनाव से ग्रस्त इलाकों में हरियाणा का यह अपेक्षाकृत शांत क्षेत्र भी शामिल हो गया है। हरियाणा और पड़ोसी राजस्थान में फैला यह मेवात क्षेत्र है तो मुस्लिम बहुल पर हकीकत यह भी है कि यह क्षेत्र कुल मिलाकर हिंदू-मुसलमान की राजनीति से बचा हुआ था। इस स्थिति का एक कारण शायद यह भी है कि मेवात के मुसलमान धर्मांतरण किए हुए हैं। आज भी इन मुस्लिम परिवारों में नकुल, सहदेव, अर्जुन जैसे नाम मिल जाते हैं।

यह तो जांच के परिणामों से ही पता चल पायेगा कि ब्रजमंडल जलाभिषेक यात्रा के दौरान हिंसा कैसे हुई और कौन इसके लिए ज़िम्मेदार है, पर यह बात तो आसानी से समझ आ जाती है कि देश के अलग-अलग हिस्सों में हिंसा की ऐसी अन्य घटनाओं की तरह ही यह भी सांप्रदायिकता की राजनीति का ही एक परिणाम है। पिछले डेढ़-दो सौ सालों का इतिहास रहा है देश में सांप्रदायिक हिंसा का। पहले अंग्रेजों ने 'फूट डालो और राज करो' की नीति के अनुसार काम करते हुए सांप्रदायिकता की आग को हवा दी थी जिसके परिणामस्वरूप देश का विभाजन हुआ और आज़ादी मिलने के बाद से ही सांप्रदायिकता अलग-अलग वर्गों के राजनीतिक स्वार्थों को साधने का एक माध्यम बन गयी।

क्या यह मात्र एक संयोग है कि आज देश के उत्तर-पूर्वी इलाके मणिपुर में भी एक तरह से सांप्रदायिकता की आग सुलग रही है और हरियाणा का मेवात जैसा शांत क्षेत्र भी सांप्रदायिकता का शिकार बनाया जा रहा है? मणिपुर की हिंसा का एक पक्ष यह भी है कि वहां मैदानी इलाकों में रहने वाले बहुसंख्यक हिंदू हैं और पहाड़ी इलाकों में ईसाई बसते हैं। निश्चित रूप से यह एकमात्र कारण नहीं हो सकता मणिपुर में हिंसा का, पर यह बात विचारणीय तो है कि सांप्रदायिकता हमारी राजनीति का हथियार क्यों बनती रहती है? इस प्रश्न को यूं उठाना बेहतर होगा कि सांप्रदायिकता को हम क्यों पनपने देते हैं? देश का बहुमत निश्चित रूप से सांप्रदायिकता में विश्वास नहीं करता, पर शायद यह बात भी बेबुनियाद नहीं है कि सांप्रदायिकता हमारी राजनीति का हथियार बनायी जा रही है और सर्व धर्म समभाव में विश्वास करने वाला बहुसंख्यक भारतीय समाज सांप्रदायिक ताकतों के हाथों छला जा रहा है।

आज़ादी के बाद जब हमारे नेताओं ने देश का संविधान बनाया तो इस बात को बार-बार रेखांकित किया गया कि हमारा भारत गंगा- जमुनी संस्कृति में विश्वास करता है। जिस समता की बात हमारे संविधान के आमुख में की गयी है, उसमें धर्म के आधार पर किसी भी नागरिक के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव न होने की बात अंतर्निहित है। यह सही है कि देश की अस्सी प्रतिशत आबादी हिंदू है, लेकिन हमारे संविधान निर्माताओं ने इस बात का पूरा ध्यान रखा था कि शेष बीस प्रतिशत मुसलमान, सिख, जैन, बौद्ध आदि किसी भी दृष्टि से स्वयं को कमतर समझे जाने के लिए बाध्य न किये जाएं।

इस सबके बावजूद यह एक परेशान करने वाली दुर्भाग्यपूर्ण सच्चाई है कि आज राजनीतिक स्वार्थों के लिए अथवा अपनी नासमझी के चलते कुछ तत्व जाने-अनजाने भारतीय समाज को हिंदू-मुसलमान में बांटने लगे हैं। पीड़ा तो तब और बढ़ जाती है जब विभाजनकारी बात कहने वाला या समझने वाला हमारी संसद में सम्मानित स्थान पाता है।

यह एक दुर्भाग्यपूर्ण सच्चाई है। सांप्रदायिकता की आग बुझनी ही चाहिए। हमारी एक सच्चाई यह भी है कि कभी हिंदू माताएं अपने बच्चों को आशीर्वाद दिलाने को ताजिए के जुलूसों में ले जाया करती थीं और आज भी मुंबई के गणेशोत्सव के अवसर पर मुसलमान युवक गणेशभक्तों को वड़ा-पाव खिलाते हैं, शरबत पिलाते हैं।

बहुत छोटी लगती हैं यह बातें, पर बहुत बड़ा महत्व है इनका। चाहे किसी भी धर्म को मानने वाला हो, देश का हर नागरिक पहले भारतीय है। मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर, गुरुद्वारा कहीं भी जाएं हम, यह बात नहीं भुलायी जानी चाहिए कि ईश्वर ने हर व्यक्ति को इंसान बनाकर भेजा था, उसको हिंदू-मुसलमान तो हमने बना दिया। आज इस बात को समझने की ज़रूरत है। समझना होगा हमें कि धर्म के नाम पर बांटने वाले तत्व हमारे हित के लिए नहीं, अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए हम में फूट डालते हैं। यह एक षड्यंत्र है। हमारे मनुष्य बने रहने की शर्त का तकाज़ा है कि हम ऐसे किसी भी षड्यंत्र को सफल न होने दें।

हरियाणा की हाल की सांप्रदायिक हिंसा के दौरान भी ऐसे षड्यंत्र को सफल बनाने की कोशिशें हमने देखी हैं। मुस्लिम मेवातियों ने आगे बढ़कर अपने अल्पसंख्यक हिंदू भाइयों की रक्षा के उदाहरण प्रस्तुत किए हैं और हिंदुओं ने भी उचित प्रतिसाद दिया है। भाई-चारे का यह उदाहरण हमारा आदर्श होना चाहिए।

यह संयोग ही है कि जिस दिन मेवात की हिंसा की खबरें प्रसारित हो रही थीं उसी दिन फेसबुक पर बरसों पुराना एक चित्र दिख गया था। सात साल पुराने इस चित्र में एक व्यक्ति तीन महिलाओं को हाथ जोड़ रहा है। दो महिलाएं हैरानी और खुशी से उस व्यक्ति के हाथों को देख रही हैं- उनकी आंखों में आंसू है। चित्र में एक और व्यक्ति भी है जो सबको मुस्कुराते हुए देख रहा है। उसकी आंखों में एक संतोष झलक रहा है। इसमें हाथ जोड़े हुए व्यक्ति अफगानिस्तानी सेना का जांबाज सिपाही अब्दुल रहीम है। वह लड़ाई में अपने दोनों हाथ खो चुका था। मरने से पहले केरल के जोसेफ ने उसे अपने दोनों हाथ दान कर दिये थे। आंखों में छलकते आंसुओं वाली जोसेफ की बेटी और पत्नी भाव-विह्वल हैं। वह जो निश्छल हंसी हंस रहा है, वह डॉक्टर सुब्रमण्यम अय्यर हैं, जिन्होंने उन हाथों का सफल ऑपरेशन किया था। हिंदू डॉक्टर, मुस्लिम लाभार्थी और ईसाई अंग-दाता! सांप्रदायिक एकता का इससे बढ़िया और क्या उदाहरण हो सकता है!

विश्वनाथ सचदेव

हम किसी भी धर्म के मानने वालों क्यों न हों, पहले हम इंसान हैं। हर धर्म हमें इंसान बने रहने की ही शिक्षा देता है। यह बात हम में से हर एक को समझनी होगी। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, चर्च यह सब आराधना के स्थल हैं, हमें यह सिखाने वाले हैं कि हम सब ईश्वर या अल्लाह या गॉड की ही संतान हैं। हमें बांटने वाला हमारा हितैषी हो ही नहीं सकता। कब समझेंगे हम यह बात?

चुनाव और राजनीति: भाजपा में सिंधिया खेमा अभी भी शक के दायरे में...?

मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे निकट आते जा रहे हैं, वैसे वैसे राजनीतिक दलों में घबराहट भरी सक्रियता बढ़ती जा रही है, सबसे अधिक चिंतित प्रदेश में पिछले 16 सालों से सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी है, उसके सामने जहां लंबे समय के शासन की चुनौतियों से निपटने की चुनौतियां हैं, वहीं कांग्रेस ने अभी से सत्ता के सुनहरे सपने देखना शुरू कर दिया है। यद्यपि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान तीनों चुनावी राज्यों में भाजपा की साख यथावत रखने की जिम्मेदारी भाजपा के केंद्रीय राजनीति के चाणक्य गृहमंत्री अमित शाह ने वहन की है और वह सक्रिय भी हो गए हैं, हर महीने एक-दो बार मध्य प्रदेश के विभिन्न अंचलों का दौरा कर भाजपा कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने का निर्देश दे रहे हैं, किंतु प्रदेश के नेता फिलहाल अपनी सक्रियता प्रदर्शित नहीं कर रहे हैं।

देश के अन्य राज्यों की तरह ही मध्य प्रदेश में भी सत्तारूढ़ भाजपा विभिन्न खेमों में बंटी हुई है, इन खेमों का अपने-अपने अंचलों में दबदबा है किंतु आज इन खेमों के नेतृत्व के सामने सबसे बड़ी समस्या अपने कार्यकर्ताओं को एकजुट करके पार्टी के पक्ष में सक्रिय करने की है। सत्तारूढ़ दल का आम कार्यकर्ता पार्टी के प्रादेशिक नेतृत्व व खेमा प्रधानों से इसलिए नाराज हैं, क्योंकि पार्टी नेतृत्व 4 साल तक इन कार्यकर्ताओं के सुख-दुख की चिंता नहीं करता और चुनाव के वक्त ही कार्यकर्ताओं को याद किया जाता है, इसलिए फिलहाल प्रदेश में इन नाराज कार्यकर्ताओं को मनाने का दौर चल रहा है और उन्हें विभिन्न तरह के राजनीतिक प्रलोभन भी दिए जा रहे हैं, किंतु कार्यकर्ताओं की नाराजी कम नहीं हो रही है।

फिर भाजपा के सामने इससे भी बड़ी समस्या विभिन्न गुटों को एक-दूसरे के द्वारा शक की नजरों से देखा जाना भी है और कांग्रेस से भाजपा में आए वरिष्ठ नेताओं को विशेष रूप से शक की नजरों से देखा जा रहा है, जिसका सबसे बड़ा उदाहरण सिंधिया खेमा है, जो स्वयं दोहरी चुनौतियों से जूझने को मजबूर है, एक तरफ जहां इस खेमे के नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया के सामने अपने समर्थकों को टिकट दिलाने की चुनौती है, तो दूसरी ओर भाजपा

नेतृत्व की शक भरी निगाहों की अग्नि परीक्षा में खरा उतर कर आना है, यह खेमा टिकट से लेकर हार जीत तक की कांटों भरी राह पर चलने को मजबूर है, यह खेमा अपनों और बेगानों दोनों से ही खतरा महसूस कर रहा है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि मार्च 2020 में सत्ता परिवर्तन के समय सिंधिया के साथ 22 विधायक मंत्री कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए थे, इनमें हरदीप सिंह डंग, बिसाहू लाल साहू और एदल सिंह कसाना, सिंधिया खेमे के ना होने के बावजूद साथ आ गए थे। शेष 19 विधायक सिंधिया खेमे के थे, अब चुनौती इन 19 मंत्रियों के सामने ही है, जिन 19 विधायक मंत्रियों ने उपचुनाव लड़ा था, इनमें से सात सिंधिया समर्थक चुनाव हार गए थे, 28 सीटों

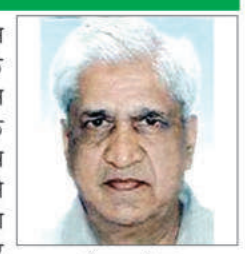

ओमप्रकाश मेहता

पर उपचुनाव हुए थे इनमें 19 भाजपा तथा 9 कांग्रेस को मिली थी, इन 9 सीटों में से 6 सिंधिया समर्थकों की थी।

अब मौजूदा परिपेक्ष में भाजपा को जहां सबसे बड़ी चिंता सत्ता का चौथा दौर कायम रखने की है, तो कांग्रेस इस बार सत्ता प्राप्ति के प्रति सबसे अधिक आशान्वित है, यद्यपि फिलहाल कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ के सिर्फ बयान ही सामने आ रहे हैं, उनकी तैयारी या चुनाव जीतने की चिंता कहीं नजर नहीं आ रही है, वहीं भाजपा अपनी 16 साला सरकार के दौरान आम वोटर के साथ कार्यकर्ताओं के सुख-दुख के दौरान गुजारे वक्त को लेकर चिंतित नजर आ रही है और ऐसे रास्ते खोजने में व्यस्त है, जिससे उसकी चुनावी रहें तथा मंजिल की प्राप्ति आसान हो सके?

इस प्रकार कुल मिलाकर एक ओर जहां हर राजनीतिक दल प्रदेश में चुनावी उधेड़बुन में व्यस्त हो गया है, वहीं एक दूसरे के खेमों के प्रति शंका-आशंकाओं का दौर भी जारी है, विशेष कर उन नेताओं के प्रति जो कांग्रेस के साथी रहे और अब भाजपा के साथ है, इनमें सिंधिया गुट प्रमुख है जिस पर भाजपा आल्हाकमान की सूक्ष्म नजरे हैं।

शिखर बैठक में टमाटर छूने को बेताब सब्जियां

आलोक पोराणिक

शिखर समिट, शिखर बैठक सिर्फ नेताओं के बीच ही नहीं होती, इधर सब्जियां भी शिखर बैठक कर रही हैं। टमाटर दो सौ रुपये प्रति किलो के पार जाकर बाकी सब्जियों से कह रह था कि आओ, नयी ऊंचाइयां छूयें। अदरक कई जगह 400 रुपये प्रति किलो के पार और ऊपर जाकर सबको चुनौती दे रहा है कि ऊंचाइयां और भी हैं।

लहसुन 200 के पार पहुंचकर बता रहा है कि उसे भी किसी से पीछे न समझा जाये, चाहे तो वह भी टमाटरी ऊंचाइयां छू सकता है। सब्जियां शिखर छू रही हैं। सबके साथ, सबका विकास दृ तमाम सब्जियां आपस में हिल-मिलकर यह नारा लगाती हुई दिख रही हैं।

एक साल खबरें आती हैं- किसान इतने नाराज हैं टमाटरों के सस्ते भावों से कि टमाटरों को सड़क पर फेंका जा रहा है। फिर कुछ साल बाद खबर आती है कि टमाटरों के खरीदार बहुत नाराज हैं, टमाटर के भाव लगातार ऊंचे जा रहे हैं। टमाटर गिर जाता है, फिर उठ जाता है, फिर गिर जाता है, फिर उठ जाता है, नियमितता के साथ होता है यह सब और जाने कितने सालों से। समस्या कई सालों से है, पर सोल्यूशन नहीं निकाला जा रहा है। फिर सिंपल-सा काम यह किया जा सकता है कि टमाटर-डाउन महोत्सव और टमाटर-अप महोत्सव मनाया जा सकता है।

अभी एक टीवी चैनल से मैंने निवेदन किया कि प्लीज टमाटरों की महंगाई पर कुछ कार्यक्रम बनाइये, तो उन्होंने अपने रिपोर्टर को आर्डर दिया कि जाओ रिपोर्ट लेकर आओ कि सीमा भाभी टमाटर कहां से खरीदती हैं और अगर नहीं खरीदतीं, तो क्यों नहीं खरीदतीं। टीवी चैनलों का मुल्क सीमा भाभीमय हो गया है। अदरक, लहसुन सब कूद-फांद कर रहे हैं, मानो शिकायत कर रहे हों कि सारा अटेंशन सिर्फ टमाटर क्यों ले जायें, अदरक और लहसुन को भी अटेंशन चाहिए। सब्जियों की शिखर बैठक हो रही है तो सबको अटेंशन मिलेगा, बस टेंशन में गृहिणी है कि और कितना ऊपर जायेंगे। इंसान और सब्जियों में यही फर्क है कि इंसान से कैरेक्टर के मामले में कहना पड़ता है- और कितना गिरोगे और सब्जियों से कहना होता है- और कितना ऊपर, कितना ऊपर।

टमाटर, लहसुन और अदरक की शिखर बैठक में इस बार प्याज गायब है। वरना प्याज अकेला ही कई बार टॉप की यात्रा शुरू कर देता है। अपने शिखर अकेले ही तान लेता है। पर अबकी बार दूसरी सब्जियों ने भी चढ़ाई शुरू कर दी है, और प्याज को बिना साथ लिए हुए। सबके दिन फिरते हैं।

टमाटर की कीमतों के आसमान छूने की वजहें तलाशने के लिए सरकारी आयोग बनाया जा सकता है। उसकी सिफारिशें जब तक आयेंगी, तब टमाटर के गिरते भाव समस्या बन चुके होंगे, जी ऐसे काम करें, तो तब ही सरकार को सरकार माना जा सकता है।

आम आदमी के जीवन में भी दिखे विकास की खुशी

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में तीन अगस्त को आर्थिक शोध व बाजार पर नजर रखने वाले दुनिया के दो दिग्गज वैश्विक वित्तीय संगठनोंकृ ब्रोकरेज फर्म मोर्गन स्टेनली और एस एंड पी ग्लोबल द्वारा वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रकाशित रिपोर्टों में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में लंबी तेजी का दौर शुरू हो गया है। दुनिया के दूसरे देशों की तुलना में तेजी से आगे बढ़ते हुए भारत आर्थिक शक्ति बनने की डगर पर अग्रसर है। कोई एक वर्ष पहले दुनिया के प्रमुख आर्थिक और वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में कहा जा रहा था कि दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा रखने वाला भारत वर्ष 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में दिखाई देगा, लेकिन इन दिनों प्रकाशित हो रही रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में दिखाई दे सकता है। हाल ही में प्रकाशित अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ), अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक मॉर्गन स्टेनली जैसे कई वैश्विक संगठनों की रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि भारत 2027 तक जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरकर सामने आएगा। इतना ही नहीं, 30 जुलाई को विश्व प्रसिद्ध स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि फिलहाल भारत में जो प्रति व्यक्ति आय 2450 डॉलर है, वह वर्ष 2030 तक 70 फीसदी बढ़कर 4000 डॉलर प्रति व्यक्ति हो जाएगी।

उल्लेखनीय है कि 27 जुलाई को जारी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शोध इकाई इकोरैप की रिपोर्ट में भी कहा किया गया है कि भारत वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ अग्रसर है। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल से जून की पहली तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर 8 फीसदी से ज्यादा रहने वाली है। इससे चालू वित्त वर्ष के दौरान सालाना विकास दर के 6.5 फीसदी रहने की संभावना बन गई है। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2027 तक अमेरिकी इकोनॉमी का आकार 31.09 ट्रिलियन डॉलर का होगा और यह पहले स्थान पर होगी। दूसरे स्थान पर चीन 25.72 ट्रिलियन डॉलर के साथ होगा। तीसरे स्थान पर भारत 5.15 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में दिखाई देगा। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 26 जुलाई को राष्ट्रीय राजधानी के प्रगति मैदान में दोबारा बनाए गए अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केंद्र परिसर (आईईसीसी) 'भारत मंडपम' राष्ट्र को समर्पित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में वृद्धि की रफ्तार और तेज होगी और भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। इस दावे की तार्किकता है कि क्योंकि जापान की अर्थव्यवस्था स्थिर हो चुकी है और जर्मनी की अर्थव्यवस्था धीमी गति से बढ़ रही है।

यहां यह भी महत्वपूर्ण है कि संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनईएससीएपी) की डिजिटल एवं टिकाऊ व्यापार सुविधा संबंधी रिपोर्ट-2023, इनवेस्को ग्लोबल की 'सोवरेन वेल्थ फंड निवेश रिपोर्ट-2023', निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स की 'भारत की आर्थिक संभावना रिपोर्ट 2023' को भारत की बढ़ती हुई आर्थिक, वित्तीय और निवेश अहमियत को रेखांकित करते हुए दिखाई दे रही हैं।

संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग की डिजिटल एवं टिकाऊ व्यापार सुविधा संबंधी रिपोर्ट में भारत 140 देशों को पीछे छोड़ते हुए दुनिया में आगे पहुंच गया है।

इनवेस्को ग्लोबल की रिपोर्ट के मुताबिक सोवरेन वेल्थ फंड के निवेश को लेकर दुनिया के 142 मुख्य निवेश अधिकारियों ने भारत को पहली पसंद बताया है। इनवेस्को के अध्ययन के मुताबिक भारत की कारोबारी व राजनीतिक स्थिरता में बढ़ोतरी हो रही है जो उसका मजबूत पक्ष है। राजकोषीय घाटा कम हो रहा है और राजस्व संग्रह में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसके अलावा भारत की आबादी, नियामक पहल और सोवरेन निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल से भी भारत को निवेश की पहली पसंद बनने में मदद मिली है। विकासशील देशों में निवेश के लिए अब चीन नहीं बल्कि भारत निवेशकों की पहली पसंद बन गया है। इसी तरह निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक चूंकि भारत की 1.4 अरब की आबादी दुनिया की सबसे बड़ी आबादी बन गई है, इसलिए भारत की जीडीपी में प्रभावी रूप से विस्तार होने का अनुमान है। अनुमान लगाया कि अगले 20 वर्षों में बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत का निर्भरता अनुपात सबसे कम होगा। यह वास्तव में भारत के लिए विनिर्माण क्षमता स्थापित करने, सेवाओं में वृद्धि जारी रखने, बुनियादी ढांचे के विकास को जारी रखने के मामले में सही होने की खिड़की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के लिए नवाचार और बढ़ती श्रमिक उत्पादकता महत्वपूर्ण होने जा रही है। पूंजी निवेश भी भविष्य में विकास का एक महत्वपूर्ण चालक होगा। बढ़ती आय और गहरे वित्तीय क्षेत्र के विकास के साथ, अनुकूल जनसांख्यिकी के कारण भारत की बचत दर बढ़ने की उम्मीद है।

इसमें कोई दो मत नहीं है कि देश की अर्थव्यवस्था के तेजी से आगे बढ़ाने में बुनियादी ढांचे के निर्माण में आई क्रांति अहम भूमिका निभा रही है। पिछले लगभग एक दशक में आधुनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण पर 34 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। उद्योग-कारोबार को आसान बनाने के लिए 1,500 पुराने कानूनों और 40 हजार अनावश्यक अनुपालन को समाप्त किए जाने की अहम भूमिका है।

इस समय भारत को एक वैश्विक डिज़ाइन और विनिर्माण केंद्र में बदलने के लिए मेक इन इंडिया 2.0, मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों के लिए तकनीकी समाधान को बढ़ावा देने के लिए उद्योग 4.0, स्टार्टअप संस्कृति को उत्प्रेरित करने के लिए स्टार्टअप इंडिया, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी अवसंरचना परियोजना के लिए पीएम गति शक्ति और उद्योगों को डिजिटल तकनीकी शक्ति प्रदान करने के लिए डिजिटल इंडिया जैसी सफल पहल भारत चतुर्थ औद्योगिक क्रांति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत कारोबार सुगमता के लिए रणनीतिक रूप से और तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस परिप्रेक्ष्य में लोकसभा ने जिस जन विश्वास (प्रावधान संशोधन) विधेयक, 2023 को मंजूरी दी है, वह उद्योग-कारोबार बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा।

दरअसल, कई और प्रभावी कारण भारत के टिकाऊ विकास और कारोबार को गतिशील कर रहे हैं। करीब 60 फीसदी तक वृद्धि घरेलू खपत और निवेश के कारण होती है। भारतीय बाजार बढ़ती डिमांड वाला बाजार है। भारत का शेयर बाजार दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा शेयर बाजार है। देश में बढ़ते हुए मध्यम वर्ग की उत्साहवर्धक क्रयशक्ति और देश के स्थिर राजनीतिक नेतृत्व के कारण भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है।

हमें इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि जीडीपी के मामले में भारत वर्ष 2027 में दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य के साथ-साथ प्रति व्यक्ति आय के मामले में भी ऊंचाई प्राप्त करे। ऐसे में देश की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ आम आदमी की मुट्ठियों में भी अधिक विकास की खुशियां पहुंचते हुए दिखाई दे सकेंगी।

रिटायर्ड नर्स को नहीं मिल रहे थे जीपीएफ के पैसे, सिर मुंडवा कर रश्वत में दिए अपने बाल

माही की गूंज, शाजापुर।

शाजापुर हॉस्पिटल की रिटायर्ड नर्स का कहना है कि वो आला अधिकारियों से भी अपने जीपीएफ को लेकर बातचीत कर चुकी हूं, लेकिन कोई सुनवाई हुई। इस वजह से उन्होंने अपने बाल कटवाने का फैसला लिया। मध्य प्रदेश के शाजापुर में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक रिटायर्ड महिला नर्स को लंबे समय से उसका जीपीएफ का पैसा नहीं मिल रहा था। इससे परेशान होकर उन्होंने अपने सारे बाल कटवाने का फैसला लिया। उन्होंने जीपीएफ की रकम पाने के लिए सिविल सर्जन के नाम से अपना सिर मुंडवा लिया। इसके बाद स्वास्थ विभाग की नींद टूट गई। इसके बाद एएनएम की जीपीएफ निकालने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई। बताया जा रहा है कि एक दो दिन में उसे जीपीएफ की रकम भी मिल जाएगी।

बता दें कि, बाल कटवाने वाली महिला शाजापुर जिला मुख्यालय पर स्वास्थ्य विभाग में नर्स थी। नर्स ने बताया कि मैं लंबे समय से जीपीएफ राशि के लिए परेशान हो रही हूं। कई बार मैं आला अधिकारियों को भी इस मामले से अवगत करवा चुकी हूं। लेकिन मेरी बात नहीं सुनी गई। बता दें कि आए दिन जिला चिकित्सालय ट्रामा सेंटर में कई प्रकार की अनियमितताएं भी देखने को मिलती है। यहां कार्यरत सिविल सर्जन डॉक्टर मैना की मनमानी हॉस्पिटल में चरम सीमा पर है।

4 महीने से नहीं मिला जीपीएफ का पैसा

हॉस्पिटल की पूर्व नर्स ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि मेरा जीपीएफ निकलना था। 4 महीने पहले मैंने फॉर्म भरा था लेकिन अभी तक मुझको मेरी जीपीएफ की धन राशि प्राप्त नहीं हुई है। मैं लगातार हॉस्पिटल के डॉक्टर राजकुमार सर से मिलती रही उनका कहना था कि, आप पैसा लेती-देती हैं तो सिविल सर्जन साहब और मैं आपका पैसा 4 दिन में निकलवा देंगे। आज तक मुझे मेरा पैसा नहीं मिला और मैं दरबदर भटक रही हूं। मैंने सिविल सर्जन डॉक्टर मैना के नाम के बाल दिए हैं।

नर्स ने न्याय की लगाई गुहार

नर्स ने डॉक्टर के बारे में बताया कि, पहले भी एक मामला पैसे के लेनदेन के चक्कर में ऐसे ही अटका हुआ था। मैं बहुत परेशान हो चुकी हूं, लेकिन मुझको न्याय नहीं मिल पा रहा है। मुझको न्याय चाहिए। वहीं शाजापुर जिला चिकित्सालय भीमराव अंबेडकर ट्रामा सेंटर के सिविल सर्जन डॉक्टर मैना से मीडिया से इस मामले में बातचीत की। उन्होंने कहा कि, जब मैंने इस बारे में डॉक्टर से पूछा तो उनका कहना है कि एक नर्स है, जिन्होंने हमें जीपीएफ निकालने के लिए आवेदन दिया हुआ था। उसका जीपीएफ अकाउंट नंबर मैच नहीं हो पा रहा था, जिसके लिए हमने एक चिट्ठी पहले ट्रेजरी को भी लिखी थी। हमने अधिकारियों से भोपाल में भी इस संबंध में बात की है जैसे ही एक-दो दिन में अकाउंट नंबर सही होता है। वैसे ही नर्स का जीपीएफ निकाल दिया जाएगा।

कार से सवा 2 क्विंटल से ज्यादा डोडाचूरा बरामद

तस्करों के पीछा करने पर नारकोटिक्स विभाग का वाहन हुआ दुर्घटनाग्रस्त, तस्कर हुए फरार

माही की गूंज, मंदसौर।

एंटी ड्रग ऑपरेशन अभियान में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स (सीबीएन) की टीम लगातार कार्रवाई कर मादक पदार्थ जब्त कर तस्करों को गिरफ्तार कर रही है। पिपलिया मंडी थाना क्षेत्र के बालागुड़ा में एक तस्कर के बाड़े से सीपीएस डोडाचूरा (बिना चीरा लगा) जप्त किया गया था।

तस्कर के रिश्तेदारों ने अधिकारियों के वाहन पर पेट्रोल डालकर जलाने का प्रयास किया था। वहीं, जब्त डोडाचूरा जला दिया। इस मामले में कार्रवाई चल ही रही थी कि मंदसौर जिला मुख्यालय से करीब पांच किमी दूर दावतखेड़ी गांव के पास सीबीएन ने एक और कार्रवाई की। इसमें हाईवे पर नाकाबंदी देख तस्कर बौखला गए और सीबीएन टीम की गाड़ी को टक्कर मार कर इनोवा कार रास्ते में छोड़कर फरार हो गए। तलाशी में कार से 2.18 क्विंटल से अधिक डोडाचूरा जब्त किया गया है।

उप नारकोटिक्स आयुक्त डॉ. संजय कुमार ने बताया कि, खुफिया जानकारी मिली थी कि मंदसौर के पास से कार में डोडाचूरा की तस्करी हो रही है। तत्काल जावरा व मंदसौर के सीबीएन अधिकारियों की टीम गठित कर कार्रवाई के लिए भेजी। टीम ने मंदसौर-देवास देवड़ा रोड पर दावतखेड़ी के पास नाकाबंदी की। संदिग्ध कार की पहचान कर अधिकारियों ने रोकने के लिए हाथ दिया तो तस्कर नाकाबंदी में लगे अधिकारियों को कुचलने की नियत से कार को तेज रफ्तार से लेकर आए और सीबीएन के वाहन को टक्कर मारकर भाग निकले। टीम के सदस्यों ने दूसरे वाहन से पीछा किया तो रास्ते में कार छोड़कर तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। टीम ने मौके पर पहुंचकर कार की तलाशी ली तो उसमें 18 प्लास्टिक के काले रंग के बोरों में भरा दो क्विंटल 18 किलो 450 ग्राम डोडाचूरा मिला। मौके पर कानूनी औपचारिकता पूरी कर डोडाचूरा व कार जब्त कर टीम सीबीएन आफिस पहुंची। जहां अज्ञात तस्करों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया। सीबीएन अधिकारी ने कार के रजिस्ट्रेशन नंबर से उसके मालिक व फरार हुए तस्करों की गिरफ्तारी के प्रयास कर रहे हैं। आरोपियों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा का प्रकरण भी बनाया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार तस्करों ने यह डोडाचूरा मंदसौर जिले से कार में लोड किया था और राजस्थान के तस्करों को सप्लाई देने जा रहे थे।

चार युवकों से परेशान शिक्षिका ने की आत्महत्या, जहर खाकर दे दी जान

सुसाइड नोट में सभी को बताया मौत का जिम्मेदार

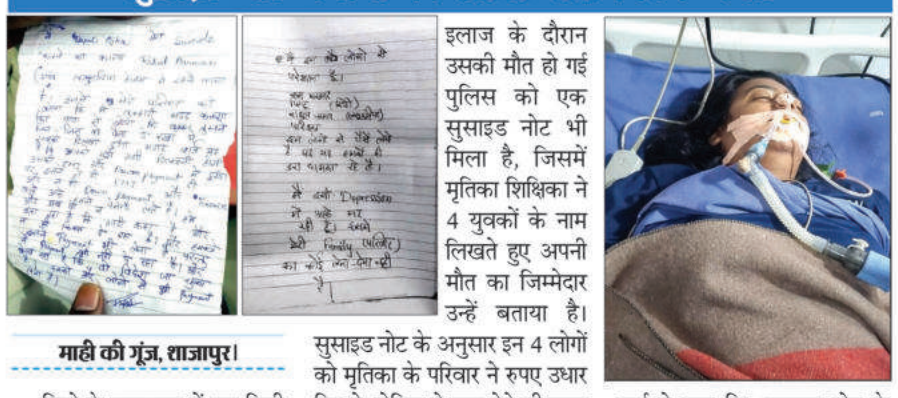

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले के शुजालपुर में एक निजी स्कूल की 22 वर्षीय शिक्षिका ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। सोमवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत से पहले मृतिका ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसके आधार पर पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार अंबिका बाजार, सिंधी धर्मशाला के पास किराए के मकान में रहने वाले राजू ओझा की बेटी दीपाली ओझा एक निजी स्कूल में शिक्षिका के रूप में काम करती थी। वर्तमान में वह बीए तृतीय वर्ष की छात्रा थी। रविवार को जहरीला पदार्थ खाने के बाद बेटी को इलाज के लिए परिजनों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई पुलिस को एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें मृतिका शिक्षिका ने 4 युवकों के नाम लिखते हुए अपनी मौत का जिम्मेदार उन्हें बताया है। सुसाइड नोट के अनुसार इन 4 लोगों को मृतिका के परिवार ने रुपए उधार दिए थे, लेकिन वे रुपए देने की जगह युवती के परिवार को डरा धमका रहे थे। इसी डिप्रेशन के कारण युवती ने आत्महत्या कर ली। मृतिका ने पत्र में यह भी लिखा कि एक युवक ने उसके परिवार को मदद करने का झांसा देकर कहा कि मेरे पापा उसे अपने नाम पर गाड़ी फाइनेंस कराकर दे दे, उसकी किस्त और डाउन पेमेंट वह देगा। अब वह युवक गाड़ी लेकर गायब हो गया है और गाड़ी की किस्त भी उनके परिवार को देना पड़ रही है। शुजालपुर मंडी थाना पुलिस ने युवती की मौत पर अस्पताल से मिली सूचना के आधार पर मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

मंडी पुलिस थाना प्रभारी जितेंद्र वर्मा ने कहा कि, सुसाइड नोट के आधार पर जो भी तथ्य सामने आएंगे परिजनों के बयान लेने के बाद उसके आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। मृतिका का सोमवार को शुजालपुर मंडी के श्मशान में अंतिम संस्कार किया गया। मृतिका अपने परिवार की इकलौती बेटी थी।

पांच किलो गांजे के साथ चार लोग गिरफ्तार

माही की गूंज, शाजापुर। मंडी थाना पुलिस ने पांच किलो गांजे के साथ चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मंडी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग की कार क्रमांक एमपी-42-सी-6909 में चार व्यक्ति गांजा लेकर बेचने की फिराक में रात में ओवरब्रिज के नीचे राजकुमार की होटल के आस-पास आने वाले हैं। सूचना पर कार को मौके पर घेराबंदी कर रोका गया। इस दौरान ड्रायवर ने कार सहित भागने का प्रयास किया, जिसे घेराबंदी कर रोका गया।

कार में ड्रायवर सहित कुल चार व्यक्ति बैठे मिले। ड्रायवर सीट पर बैठे व्यक्ति ने अपना नाम मुजीब उर्फ मुजीम शाह पिता मेहबूब शाह (उम्र 34 साल) निवासी अरनिया कला थाना अवंतीपुर बडोदिया जिला शाजापुर का होना बताया। ड्रायवर सीट की बगल की सीट पर बैठा व्यक्ति जिसके पैरों के नीचे एक प्लास्टिक का सफेद कलर का भरा हुआ झौला रखा था, जिसने पूछताछ पर अपना नाम शंकर रघुवंशी पिता रामसिंह रघुवंशी 45 साल निवासी ग्राम हैदरगंज थाना मण्डी सीहोर बताया। पीछे की सीट पर बैठे व्यक्ति ने पूछताछ में अपना नाम महेन्द्र सिंह राजपूत पिता दुलेसिंह राजपूत (उम्र 46 साल) मोती मौहल्ला वार्ड न. 20 मंडी शुजालपुर जिला शाजापुर हाल निवासी गुलजारी का बगीचा सीहोर थाना कोतवाली सीहोर बताया और एक अन्य व्यक्ति ने अपना नाम वकील खां पिता विलात खां (उम्र 35 साल) निवासी गोकलपुरा थाना मण्डी सीहोर बताया। शंकर रघुवंशी के पैरों के नीचे रखे एक सफेद रंग के प्लास्टिक के झौले की तलाशी ली गई, जिसमें पांच किलो 50 ग्राम गांजा मिला। आरोपियों को गिरफ्तार कर धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का मामला पंजीबद्ध किया गया।

भगवान पशुपतिनाथ मंदिर में प्रतिदिन हो रहे है मनोकामना अभिषेक, दूर-दूर से आ रहें दर्शनार्थी

माही की गूंज, मंदसौर।

मनोकामना अभिषेक में दूर-दूर से दर्शनार्थी अभिषेक में भाग लेकर अपने को परम सौभाग्यशाली समझ रहे हैं। ऐसा ही भाव परिवार सहित ग्वालियर से आए दर्शनार्थी ने अपनी मनोभाव और श्रद्धा भगवान पशुपतिनाथ के प्रति दर्शाते हुए कहा कि पहली बार भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन करने आए। दर्शन के पश्चात जब मनोकामना अभिषेक में 1 घंटे तक जो अभिषेक किया उसमें जो आनंद प्राप्त हुआ है और मन को जो शांति मिली है। इससे यह इच्छा हुई है कि प्रतिवर्ष भगवान भोलेनाथ की कृपा से मुझे ऐसे सामूहिक अभिषेक में अवश्य सम्मिलित होना चाहिए। मनोकामना अभिषेक के 36वें दिवस बाहर से आए प्रत्येक अभिषेकार्थी इसी प्रकार के भावों को प्रकट करके भगवान भोलेनाथ की स्तुति करते हुए देश में अमन चैन रहे, सभी सुखी रहें। इस प्रकार का वरदान भगवान पशुपतिनाथ से लेकर के जाते हैं।

अभिषेक के आचार्य पूज्य विष्णु प्रसाद ज्ञानी ने अभिषेक मंत्र और उसके जाप के विधि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, देवनागरी लिपि का प्रत्येक अध्यक्ष अपने आप में अनन्त ऊर्जा का भण्डार है। प्रत्येक अक्षर को मंत्र कहा गया है। पूर्ण ज्ञान के अभाव में किसी भी मंत्र का प्रयोग लाभ के स्थान पर हानि कर देता है। इसलिये ये सभी अक्षर भगवान शिव के द्वारा कीलित कर दिये गये। सिद्ध से सिद्ध मंत्र या स्त्रोत भी मनमाने ढंग से निष्फल या असिद्ध हो जाता है।

नागपंचमी पर खुलेंगे नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट

माही की गूंज, उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकाल महाकाल मंदिर में 21 अगस्त को नागपंचमी मनाई जाएगी। इस दिन मंदिर के शीर्ष पर स्थित भगवान श्री नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट एक साल बाद 24 घंटे के लिए खोले जाएंगे।

मंदिर प्रशासन ने महापर्व को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। सबसे पहले पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों से नागचंद्रेश्वर मंदिर पहुंचने के लिए बनाए गए पुल की मजबूती जांच कराई जाएगी।

मंदिर के स्ट्रक्चर को लोहे की सीढ़ियों से खतरा

महाकाल मंदिर के शीर्ष पर स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट साल में एक बार नागपंचमीके दिन खोले जाते हैं। इस बार 20 अगस्त की मध्य रात्रि 12 बजे मंदिर के पट खुलेंगे। पूजा अर्चना के बाद आम दर्शन का सिलसिला शुरू होगा, जो 21 अगस्त की रात 12 बजे तक चलेगा। पहले नागचंद्रेश्वर मंदिर तक पहुंचने के लिए प्रशासन प्रतिवर्ष अस्थायी लोहे की सीढ़ियों का निर्माण करता था। इससे मंदिर के स्ट्रक्चर को खतरा होने का अंदेशा बना रहता था।

भक्तों के आवागमन में काफी सुविधा

बीते वर्ष महानिर्वाणी अखाड़े के महंत विनीत गिरिजी महाराज ने एक दानदाता के सहयोग से विश्राम धाम से लेकर नागचंद्रेश्वर मंदिर तक पुल का निर्माण करा दिया है। पुल के बन जाने से मंदिर के स्ट्रक्चर को होने वाला खतरा समाप्त हो गया है। साथ ही भक्तों के आवागमन में काफी सुविधा हो गई है।

कम समय में ज्यादा भक्त कर सकते हैं दर्शन

पहले सीढ़िया चढ़ने में श्रद्धालुओं को काफी परेशानी होती थी, लेकिन अब पुल के रास्ते दर्शनार्थी चंद मिनटों में नागचंद्रेश्वर के दर्शन कर लौट जाते हैं। पुल के बन जाने से कम समय में अधिक भक्तों को भगवान के दर्शन कराना सुलभ हो गया है। 21 अगस्त को नागपंचमी से पहले पुल की मजबूती जांच कराई जाएगी। इसके बाद मंदिर के बाहर की व्यवस्थाओं का निर्धारण होगा।

बीते 16 दिनों से बारिश के लिए तरस रहा जिला, चिंता में किसान

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अग्रवाल

लगभग 16 दिन से मंदसौर शहर सहित जिला अच्छी बारिश के लिए तरस रहा हैं। कुएं, तालाब व नदी खाली हैं। खेतों में अंकुरित फसले भी अब पानी के इंतजार में दम तोड़ रही हैं। किसानों को फसल की चिंता है तो आमजन को पूरे साल के पेयजल की। वहीं आकड़ों की भी बात करें तो मंदसौर जिले में गरोठ अभी तक सबसे पीछे हैं। यहां दो माह में महज 198 मिमी वर्षा हुई हैं।

तालाब और कुओं में पानी नहीं भर पाया

पिछले वर्ष 7 अगस्त तक यहां 805 मिमी वर्षा हो चुकी थी। गरोठ अभी 605 मिमी पीछे हैं। हालांकि जिले के दूसरे हिस्सों में भी हालात ठीक नहीं हैं पर गरोठ की स्थिति सबसे खराब हैं। जिले भर में न तो नदियों में बहाव शुरू हुआ हैं और न ही तालाबों व कुओं में पानी एकत्र हुआ हैं। जैसे-जैसे दिन निकल रहे हैं माथे पर चिंता की लकीरें बढ़ती जा रही हैं।

बारिश के लिए पूजा-पाठ में लगे ग्रामीण

अच्छी बारिश की कामना को लेकर लोग अब भगवान की शरण में पहुंच रहे हैं। रविवार को मंदसौर में अच्छी बारिश की कामना को लेकर जंगली बालाजी मंदिर से नालछा माता मंदिर तक ध्वजा यात्रा निकाली गई। वहीं पिपलियामंडी व आस-पास के गांवों में उजमनी मनाई गई। टीलाखेड़ा में तो महिलाओं, पुरुषों व बच्चों ने नंगे पैर गांव का भ्रमण भी किया। जिले में बारिश नहीं होने से हालात धीरे-धीरे खराब हो रहे हैं। 15 दिन से अच्छी बरसात को ही तरस गए हैं। इस बार तो गरोठ क्षेत्र सबसे ज्यादा पिछड़ा हुआ हैं।

जिले में इस मानसून सत्र में अब तक औसतन 379 मिमी बारिश हुई है। जो वार्षिक औसत का लगभग 40 प्रतिशत है। वार्षिक औसत 826.5 इंच माना जाता है। बारिश का मौसम आमतौर पर 15 अक्टूबर तक माना जाता हैं पर यह भी सही है कि अधिकांश बारिश जुलाई-अगस्त में ही होती हैं। जिले में अभी तक जुलाई अगस्त में बारिश ठीक नहीं हुई हैं। नदी, तालाब, कुएं सभी खाली हैं। अगले कुछ दिनों में अच्छी बारिश नहीं होने पर फसलों पर संकट पैदा हो सकता है।

मंदसौर जिले में मंदसौर, गरोठ, भानपुरा, शामगढ़, कयामपुर ऐसे क्षेत्र है जहां पिछले वर्ष से कम बारिश हुई है। जबकि सुवासरा, सीतामऊ, मल्हारगढ़, संजीत, भावगढ़ में पिछले वर्ष से अधिक बारिश हो गई है। मंदसौर में पिछले साल से 69 मिमी बारिश कम हुई है। गरोठ में हालत काफी खराब हैं यहां पिछले वर्ष अब तक 805.6 मिमी बरसात हो चुकी थी। और इस बार 198 मिमी ही हुई हैं। भानपुरा में पिछले साल की तुलना में लगभग 280 मिमी बारिश कम हुई है। हालांकि सीतामऊ में पिछले साल की तुलना में 180 मिमी बारिश अधिक हुई है। सुवासरा में 51 मिमी बारिश अधिक हुई है। गांधीसागर बांध का जल स्तर 1299.64 फीट पर पहुंच गया है। पिछले साल इसी अवधि तक गांधीसागर बांध का जलस्तर 1296.91 फीट था।

ध्वजा यात्रा निकाली गई

लोगों ने परिवार सहित घर के बाहर खेत पर जाकर भोजन बनाया। भगवान को भोग लगाकर अच्छी बारिश की कामना की गई। जंगली बालाजी महिला भक्त मंडल द्वारा ध्वजा यात्रा निकाली गई। यात्रा जंगली बालाजी मंदिर से नालछा माता के दरबार तक पहुंची। 16 वर्षों से जंगली बालाजी महिला भक्त मंडल द्वारा शहर सहित जिले भर में अच्छी वर्षा की कामना को लेकर यह ध्वज यात्रा निकाली जा रही है।

बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने जंगली बालाजी मंदिर कैलाश मार्ग से ध्वजा यात्रा की शुरुआत की जो कि सम्राट मार्केट, घंटाघर, पशुपतिनाथ होते हुए माता के दरबार पहुंची। यहां मां नालछा को ध्वजा चढ़ाकर अच्छी वर्षा की कामना की गई।

खेड़ा देव की पूजा-अर्चना की ग्रामीणों ने

पिपलियामंडी में कई दिनों से क्षेत्र में बारिश नहीं होने से हालात यह हो गई है कि खेतों की मिट्टी में दरार आने लगी है। किसान दिलीप, बलराम, अमरपुरा के किसान मदन चंद्रवशी, देवेंद्र चंदाना ने बताया कि अब फसलों को पानी की जरुरत लगने लगी है। मगरे क्षेत्र में लगी फसल तो मुरझाने लगी है। बारिश को लेकर ग्रामीण व नागरिक तरह-तरह के जतन करने लगे हैं। पिपलियामंडी, पिपलियापंथ, खात्याखेड़ी, टीलाखेड़ा आदि जगहों पर लोगों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रख खेतों-खलिहानों में पहुंचकर उजमनी मनाई। भोजन-व्यंजन बनाकर भोग लगाकर अच्छी बारिश की कामना की। भूपेंद्र महावर ने बताया कि टीलाखेड़ा में खेड़ा देव की पूजा अर्चना की गई। इस दौरान पिपलिया मंडी व टीलाखेड़ा में व्यापार-व्यवसाय बंद रहा। मवेशियों को निकाला गया, ग्रामीणों ने मंदिरों में भगवान से कामनाएं की। अगर तीन चार दिन बारिश नहीं होती है तो है परेशानी आ जाएगी।

नाहरगढ़ क्षेत्र में भी मनाई उजमनी

लगातार जिले मे बारिश की खेंच से किसान सहित आमजन परेशान हो रहा है। फसले पानी को तरस रही है। सभी को अच्छी बारिश की उम्मीद है। इसके लिए नाहरगढ़ क्षेत्र में भी लोगों ने खेतों पर जाकर दाल-बाटी चूरमा बनाकर इंद्रदेव को भोग लगाया।

वायरस से बर्बाद हुई थी मिर्च, अब हुआ 25 क्विंटल एकड़ उत्पादन

जिला स्तरीय किसान सम्मेलन में तकनीकी प्रशिक्षण का मिला लाभ

माही की गूंज, खरगोन।

पिछली मिर्च की फसल वायरस के कारण बर्बाद हो गई थी। बर्बाद होने के पीछे के कारणों का पता कुछ किसानों को खरगोन के कृषि मंडी में 16-17 जून को आयोजित हुए किसान सम्मेलन में तकनीकी जानकारियों से लाभ मिला। किसानों ने फिर हिम्मत व कड़ी मेहनत और जोखिम उठाकर बेहतर कीट तथा समय प्रबंधन कर फसल तैयार की। इस वर्ष बोरांवा के कुछ किसानों की यह तकनीक करागर साबित हुई और अब वे हरी मिर्च की बंपर पैदावार ले रहे है। यहां के 2 से 5 एकड़ के मिर्च काश्तकार मोतीराम वर्मा, ओमप्रकाश यादव, संजय पाल,महेश यादव, लालखेड़ा के श्याम पवार व अघावन के सदाशिव पाटीदार बताते है कि मिर्च की खेती जोखिम की हो गई है। पिछले साल वायरस अटैक से घाटा हुआ। इस बार पौधे तैयार कर गर्मी में फसल लगा दी थी। किसान संगोष्ठी व सम्मेलनों की तकनीक सीख काम आई। इस तरह पिछले साल के घाटे को पाटने हरी मिर्च की बंपर पैदावार ले रहे हैं। गर्मी की लगाई मिर्च के फिलहाल 3000 रूपये क्विंटल भाव मिल रहे है। खरगोन, कसरावद व भीकनगांव ब्लॉक से हर पखवाड़ा 30 वाहन इंदौर, खंडवा व खरगोन मंडी मिर्च भेज रहे है। जिले में इस बार लगभग 40 हजार हेक्टेयर में फसल लगाई गई है। कृषि व उद्यानिकी अफसरों के मुताबिक अब तक तापमान मिर्च फसल के अनुकूल रहा है। साथ ही तेज बारिश न होने से फसल को नुकसान नहीं है।

हरी मिर्च के भाव घटे तो लाल मिर्च से होगा मुनाफा

किसानों के मुताबिक वातावरण में उमस नही है इसलिए फसल बेहतर है। कीट प्रबंधन में परेशानी नहीं आई। प्रति एकड़ 25 हजार रूपये तक खर्च आया है। फिलहाल हरी मिर्च के शुरुआती भाव अच्छे हैं। भाव गिरेंगे तो घाटे की स्थिति में लाल मिर्च तैयार करेंगे। बाजार में भी सूखी मिर्च 200-300 रूपये किलो के भाव बिक रही है। अभी दो माह तक लाल मिर्च में तेजी के आसार बने हुए हैं।

प्रशिक्षणों से किसानों को मिलता है लाभ

उपसंचालक कृषि एमएल चौहान बताते हैं पिछले वर्ष वायरस अटैक से फसल को नुकसान हुआ था। कृषि व उद्यानिकी विभाग ने कृषि वैज्ञानिकों के ब्लॉक व जिला स्तर पर तकनीकी सत्र आयोजित किए थे। प्रशिक्षण का किसानों को लाभ मिलता है।

इस पर कृषि विशेषज्ञों ने कराया था ध्यान आकृष्ट

16 से 17 जून को कृषि मंडी में आयोजित हुए किसान सम्मेलन में डॉ. एसके त्यागी ने फसल चक्र का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी थी। साथ ही उन्होंने पौध प्रबंधन के लिए केंचुआ व गोबर खाद की संतुलित मात्रा में उपयोग करने सरिकी टिप्स बताई थी। इसके अलावा उन्होंने नीम की खली 2 क्विंटल प्रति एकड़ व जैविक दवाइयों के उपयोग के बारे में बताते हुए कहा था कि 10 से 15 दिनों में इसका उपयोग करें। उन्होंने जिंक सल्फेट व पौधे रौपने की उचित दूरी व आकार के बारे में बताया था।

पारम्परिक वेश भूषा और आदिवासी संस्कृति के साथ मनाया विश्व आदिवासी दिवस

माही की गूंज, पुनासा।

विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में पुनासा एवं विकासखंड पुनासा के लगभग सभी ग्रामो से अपनी पारंपरिक वेशभूषा में आदिवासी समुदाय के महीलाओ-पुरुषो की टोली पेट्रोल पंप तिराहे पर एकत्रित होकर डीजे पर बजने वाले पारंपरिक आदिवासी गीत की स्वरलाहरीयो पर थीरकते कदमो से भगवान बिरसामुण्डा, महारानी दुर्गावती, टंटया मामा एवं अन्य आदिवासी महापुरुषो की तस्वीरो के साथ शोभायात्रा नगर के मुख्यमार्ग से होते हुए कालसन माता मन्दिर तक निकाली गई। शोभायात्रा का पेट्रोल पंप तिराहे पर कांग्रेस नेता उत्तमपालसिंह पुरनी के नेतृत्व में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने मुख्यमार्ग पर बने भाजपा के मंच से अभासिंह तोमर के नेतृत्व में महीलाओ एवं पुनासा भाजपा मंडल के कार्यकर्ताओ द्वारा तथा नगर परिषद कार्यालय में नगरपरिषद अध्यक्ष रूपेश पंवार के नेतृत्व में नगर परिषद स्टॉफ द्वारा पुष्पवर्षा से शोभायात्रा का स्वागत किया गया। इनके इतर अन्य स्थानों पर भी आदिवासी शोभायात्रा का स्वागत हुआ। नगर के मुख्यमार्ग से भृमण करती शोभायात्रा कालसन माता मन्दिर परिसर पहुची। जहां सभा मे परिवर्तित हो गई एवं समाज के प्रबुद्धजन संतोष मोर्य, मौजीराम अखाडीया, धर्मेन्द्र अहीरे, डुडवे रेंजर, राहुल चंदेल, डॉक्टर अजय, राजेन्द्र कर्मा, बालू सरपंच, राहुल बामनिया एवं बालकृष्ण देवड़ा आदि ने संबोधित किया तथा कार्यक्रम का संचालन चंद्रकांत कलम द्वारा किया गया। सामाजिक कार्यक्रम में भी दोनो प्रमुख राजनीतिक दल गुटो में बंटे हुए नजर आए। ब्लॉक कांग्रेस ने पेट्रोलपंप तिराहे पर पुष्पवर्षा कर अनुसूचित जनजाति वर्ग का शोभायात्रा स्वल्पाहार एवं पुष्पवर्षा से अभिनंदन किया, वही दूसरे गुट के नेताओ ने दुर्गा मन्दिर के पास मंच बनाकर शोभायात्रा का स्वागत किया। ऐसा ही कुछ हाल भाजपा के नेताओ का रहा।

निर्वाचन आयोग की विधानसभा 2023 चुनाव की तैयारियां हुई तेज

जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी का गठन, शासकीय कर्मचारियों की छुट्टियों पर लगा प्रतिबंध

माही की गूंज, रतलाम।

विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2023 के लिए आयोग के निर्देशानुसार केन्द्र तथा राज्य शासन के उपक्रम, स्वायत्तशासी संस्थाओं, नगरीय निकायों, शासकीय तथा अर्द्धशासकीय विभागों में सेवारत अधिकारियों तथा कर्मचारियों के अवकाश पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी द्वारा जिले के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों के सभी प्रकार के अवकाशों को प्रतिबंधित किया गया है। समस्त अधिकारी, कर्मचारी अत्यावश्यक होने पर कलेक्टर सूर्यवंशी से स्वीकृति उपरांत ही अवकाश पर जा सकेंगे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी द्वारा जारी आदेशानुसार विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2023 के लिए निर्वाचन सम्बन्धी विभिन्न गतिविधियों यथा निर्वाचक नामावलियों का पुनरीक्षण, निर्वाचन का संचालन, आदर्श आचरण संहिता के क्रियान्वयन आदि को सुगम बनाने के लिए जिला स्तरीय स्टैण्डिंग कमेटी का गठन किया गया है। गठित कमेटी में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अध्यक्ष, पुलिस अधीक्षक सदस्य, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी सचिव, समस्त विधानसभा निर्वाचन के रिटर्निंग आफिसर, निर्वाचन कार्य हेतु नियोजित नोडल अधिकारी, मान्यता प्राप्त राजनीति दलों के प्रतिनिधि सदस्य मनोनीत किए गए हैं।

कृषकों को सोयाबीन मिनी किट वितरित

माही की गूंज, रतलाम। जिले में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन तिलहन योजनान्तर्गत वर्ष 2023 में सोयाबीन के किस्म आरवीएस2001-4 के आठ किलोग्राम भरती में 3325 मिनी किट प्राप्त हुए। जिन्हें कृषकों को ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों के माध्यम से निःशुल्क वितरित किया गया ।

विजय चौरसिया उपसंचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास ने बताया कि, वर्तमान में जिन कृषकों को उक्त मिनी किट वितरित किए गए हैं, उन कृषकों की सोयाबीन फसल अच्छी अवस्था में है एवं समय-समय पर मैदानी अमले द्वारा कीट रोग व्याधि के नियंत्रण हेतु उचित सलाह दी जा रही है। साथ ही कृषकों को उक्त बीज मिनी किट से प्राप्त बीज उत्पादन को संरक्षित कर आगामी खरीफ सीजन में बीज के उपयोग करने हेतु सलाह दी जा रही है।

शहीद की माटी से हुआ मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का शुभारंभ

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने बुधवार को देश के लांस नायक शहीद राजेन्द्र यादव के गृहग्राम घुघरियाखेड़ी से मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने जिले में 9 अगस्त से 15 अगस्त तक चलने वाले मेरी माटी मेरा देश के अंतर्गत शहीद राजेन्द्र यादव की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। साथ ही यहाँ स्थापित शिलाफ़लकम का लोकार्पण कर उपस्थितों ने शहीद के गांव की माटी हाथों में लेकर शपथ ग्रहण की गई। इस दौरान शहीद की माता कड़वी बाई ने तिरंगा फहराया। साथ ही राष्ट्रगान का आयोजन किया गया। इसके पश्चात पंच प्रण की शपथ ली गई। इस दौरान एसडीएम भास्कर गाचले, अतिरिक्त जिपं सीईओ पुरुषोत्तम पाटीदार,जनपद सीईओ पवन शाह, सरपंच श्रीमती रत्ना पाटीदार व ग्रामीणजन उपस्थित रहें।

कलेक्टर ने अपना पौधा लगाया, दुसरो से कहा अपना पौधा लगाओं

शहीद स्मारक स्थान पर 75 पौधें योजनानुसार लगाए जाने थे। कलेक्टर वर्मा जब पौधा लगानें की तैयारी में थे। तब कई ग्रामीण व अधिकारी उनके नजदीक आकर पौधा लगाने लगें। ऐसे में कलेक्टर वर्मा ने बोल दिया मैं अपना पौधा अकेले लगाऊंगा आप अपना पौधा लगाएं। इसके बाद उन्होंने अपने हाथों से तीन पौधे लगाएं। साथ ही स्कूली छात्र-छात्राओं और ग्रामीणों ने भी पौधें लगाएं।

संबोधन में चुनावी पाठशाला पूछे चुनाव से जुड़े सवाल

कार्यक्रम स्थल पर ही कलेक्टर वर्मा ने ग्रामीणों और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मेरी माटी मेरा देश व हर घर तिरंगा अभियान के सम्बंध में विशेषताएं बताई। साथ ही आगामी निर्वाचन के मद्देनजर उन्होंने 1 अक्टूबर 23 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों से चुनावी सवाल जवाब भी किये। एक बालिका ने ईवीएम का पूरा नाम बताया तो एक छात्र ने स्थानीय सरकार के तीन स्तर और किसी ने विधानसभा व लोकसभा में अंतर बताया। यहां पाठशाला के दौरान कलेक्टर श्री वर्मा ने शहीद की माता श्रीमती कड़वी बाई को शॉल व श्रीफल देकर सम्मानित किया गया।

12वी करते ही सेना में भर्ती हुए थे शहीद

स्मारक स्थल पर जिस शहीद राजेन्द्र यादव की प्रतिमा स्थापित है। यहां आज के कार्यक्रम में श्रद्धा सुमन अर्पित करने वो शख्स भी आया था। जिसने शहीद को सेना में भर्ती होने में मदद की थी।

जनजाति कार्य विभाग के लेखापाल जोशी ने बताया कि 12वी के बाद उन्होंने सेना में भर्ती होने की मंशा जाहिर की थी। तब 1991-92 में महू में भर्ती रैली में वे भी उनके साथ गए थे। जब कारगिल युद्ध हुआ उससे 3 से 4 माह पूर्व गांव आये थे तो उनसे मुलाकात पर शहीद ने बॉर्डर के बारें में जिक्र किया था। जोशी ने यह भी बताया कि कारगिल में शहीद होने पर लांस नायक कहलाने वाले वे देश के दूसरे शहीद है।

जेठानी-देवरानी को मिला आवासीय पट्टा

माही की गूंज, बड़वानी। बड़वानी जब से ब्याह करके आई है, तब से ऐसे ही मकान में रह रहे थे, उम्र गुजर गई बच्चे हो गये, बच्चो के भी बच्चे हो गये, पर जमीन का मालिकाना हक उन्हें नही मिला। परन्तु प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने उन्हें अपनी जमीन का हक दिया है।

बड़वानी की सपेरा बस्ती निवासी जेठानी श्रीमती मसरीबाई व देवरानी श्रीमती बालीबाई उक्त बाते कहते हुये मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद देती है। वे कहती है कि जब 16 जुलाई 2023 को जब मुख्यमंत्री जी उनकी बस्ती में आये थे और उन लोगो ने उन्हें अपनी समस्या बताई तो मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आप वर्षो से इस जमीन पर निवासरत है तो इस जमीन पर आपका ही अधिकार होगा और आज मुख्यमंत्री जी की कही हुई बात सत्य हुई और उन्हें धारणाधिकार योजना में जमीन का पटटा मिल गया है। वे अब यहॉ पर पक्का मकान बनाकर अपने परिवार के साथ हंसी-खुशी से रहेगी। अब न बारिश में छत पटकने की चिन्ता होगी, न गर्मी में पतन सहना पड़ेगी और ना ही ठण्ड में ठिठुरना पडेगा। हर परेशानी से मुक्ति देने व परिवार को हसी-खुशी देने के लिये जेठानी-देवरानी साथ में मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद दे रही है।

हर घर तिरंगा अभियान-जन-जागरूकता प्रारंभ

माही की गूंज, बड़वानी।

भारत माता की जय, वंदे मातरम्, विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊँचा रहे हमारा जैसे उद्घोषों के साथ प्राचार्य डॉ. दिनेश वर्मा के मार्गदर्शन में शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़वानी के स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के संदर्भ में जन-जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया। कार्यकर्तागण प्रीति गुलवानिया एवं वर्षा मुजाल्दे ने बताया कि 13, 14 एवं 15 अगस्त को हर घर में तिरंगा फहराया जाएगा। इसको लेकर कॉलेज के युवाओं में उत्साह है। इस अवसर पर उपस्थित डॉ. राजमलसिंह राव ने कहा कि ध्वज की गरिमा को ध्यान में रखते हुए ध्वज फहराने की व्यवस्था करें। आयोजन प्रभारी डॉ. मधुसूदन चौबे ने विद्यार्थियों को राष्ट्रध्वज के इतिहास और इससे संबंधित नियमों की जानकारी प्रदान की। सहयोग सुभाष चौहान, कन्हैया फूलमाली, पूनम कुशवाह, तुषार गोले, राधा सूर्यवंशी, संदीप जाधव ने सहयोग प्रदान किया।

सुरक्षा गार्ड व परिवेक्षकों की भर्ती करने कैम्प आज भीकनगांव जनपद में

माही की गूंज, खरगोन।

भारतीय सुरक्षा दस्ता परिषद नई दिल्ली व भारत सरकार पसारा एक्ट 2005 के तहत एवं मप्र डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से एसआईएस के संयुक्त तत्वावधान में खरगोन जिले के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए गुरूवार से 23 अगस्त तक विकासखण्ड स्तर पर भर्ती कैम्प के आयोजन होंगे। गुरूवार को जनपद पंचायत भीकनगांव में भर्ती कैम्प का आयोजन होगा। भर्ती केम्प प्रातः 11 बसे से सांय 4 बजे तक आयोजित होगा। यह कैम्प सिक्यूरिटी स्किल काउंसिलिंग इंडिया लिमिटेड जवासा नीमच द्वारा आयोजित किया जाएगा।

बेरोजगार अभ्यर्थी जिनकी योग्यता 10वीं पास तथा आयु 21 से 37 वर्ष और ऊँचाई 188 सेमी हो। सुरक्षा सुपरवाईजर के लिए 12वीं पास कंप्यूटर कोर्स 21 से 35 वर्ष, ऊँचाई 170 सेमी वजन 56 से 90 किलो, सीना 80 से 85 सेमी वे अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए चयनित उम्मीदवार को इन तिथियों में 10वीं की छायाप्रति, 1 फोटो, आधारकार्ड तथा रजिस्ट्रेशन शुल्क 500 रू ऑनलाईन करना होगा। इसमें चयनित अभ्यर्थियों को एक माह का प्रशिक्षण देकर 65 वर्ष की स्थाई नौकरी दी जायेगी। औद्योगिक क्षेत्र जैसे खजुराहो का मंदिर, साँची का स्तूप, दिल्ली का लाल किला, एसबीआई बैंक, आईडीबीआई बैंक, दिल्ली व गुड़गाँव में 12 हजार से 15 हजार के मासिक वेतन पर रखा जायेगा। अन्य सुविधायें- पीएफ, पेंशन, ग्रेच्युटी, मेडिकल सुविधा, बीमा, प्रमोशन एवं दो बच्चों की पढाई आईपीएस स्कूल देहरादून में करवा सकते हैं।

इन जनपदों में भी लगेंगे भर्ती शिविर

इसी प्रकार 11 अगस्त को झिरन्या जनपद में, 14 अगस्त को भगवानपुरा में, 16 अगस्त को गोगांवा, 17 अगस्त को सेगाँव, 18 अगस्त को कसरावद, 21 अगस्त को बड़वाह, 22 अगस्त को महेश्वर एवं 23 अगस्त को जनपद पंचायत खरगोन में भर्ती कैम्प आयोजित होंगे। भर्ती कैम्प प्रातः 11 बजे से 4 बजे तक आयोजित किए जाएंगे।

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में वीरों की वंदना के साथ हुआ पौधारोपण एवं शपथ कार्यक्रम

माही की गूंज, बड़वानी।

शासकीय कन्या महाविद्यालय बड़वानी में आजादी के अमृत महोत्सव एवं रासेयो के अन्तर्गत मेरी माटी मेरा देश एवं हर घर तिरंग अभियान के अन्तर्गत स्टॉफ एवं छात्राओं के द्वारा रैली निकाली गई। अन्तर्गत महाविद्यालय में देश के बहादूर वीर जवानों का सम्मान समारोह एवं पौधारोपण तथा व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुनील प्रकाश मेहरा (भुतपूर्व सैनिक) नान कमिश्नर आफिसर भारतीय सेना की कोर ऑफ सिग्नल्स ब्रान्च में वर्ष 18 वर्ष तक देश की रक्षा में अपनी सेवाएँ दी। विशेष अतिथि संदीप शर्मा (भुतपूर्व सैनिक) भारतीय सेना ग्रेनेडीयर रेजीमेन्ट ब्रान्च में 17 वर्ष तक देश की रक्षा में अपनी सेवाएँ दी। महाविद्यालय परिवार ने अतिथियों का सम्मान करते हुये करते हुये स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना भारती ने की।

मुख्य अतिथि सुनील प्रकाश मेहरा ने अपने उद्बोधन में बताया कि, देश की सेवा करना गौरव की बात है। साथ ही अनुशासन में रहना जीवन का लक्ष्य होना चाहिए। उन्होने बताया कि सेना में जो नियम होते है, उनका पालन अनिवार्य रूप से करना पड़ता है। जब सारी दुनिया सोती है तब हम बोर्डर पर तैनात होकर देश की सेवा में लगे रहते है। विशेष अतिथि संदीप शर्मा ने कहा कि भारतीय सेना इस देश की आन बान और शान है। भारतीय सेना को अपने परिवार से दूर रहना पड़ता है। हम चैन से सो पा रहे है। क्योंकि कोई जाग कर इस देश की रक्षा कर रहा है। भारतीय सेना के होसलें और वतन परस्ती देख दुश्मन भी काँपते है। भारतीय सेना का नाम ही काफी है हर हिन्दुस्तानी का सीना चौड़ा करने के लिये।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर डॉ. वंदना भारती ने भी मेरा देश मेरी माटी के उद्देश्य के बारे में बताया कि, यह अभियान 09 से प्रारंभ होकर 30 अगस्त तक रहेगा। इसका प्रमुख उद्देश्य है कि स्वंतत्रता सेनानियों और वीरों के सम्मान में यह कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. स्नेहलता मुझाल्दा ने स्लोगन - ÷माटी को नमन वीरो का वंदन÷ के माध्यम से वीरों के सम्मान और वंदन की बात रखी।

डॉ. कविता भदौरिया ने भी सेना के बारे में बाताया तथा डॉ. जगदीश मुजाल्दे ने भी व्याख्यान में सेना के जवानों के हौसलों के बारे में बताया। डॉ. मनोज वानखेड़े ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज 9 अगस्त भारत छोड़ो अभियान की वर्षगाँठ है इस अवसर पर शहीदों को नमन करते हुए मेरी माटी मेरा देश के तहत शहीद को याद किया गया साथ ही आज विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जनजातीय योद्धाओं की वीर गाथाओं पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की सह संयोजक प्रो. सीमा नाईक ने भी सैनिको की बहादुरी की बात की। महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया और मेरी माटी मेरा देश के तहत पंच प्रण शपथ ली गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. मनोज वानखेड़े, डॉ. महेश कुमार निंगवाल, प्रो. सीमा नाईक, डॉ. प्रियंका देवड़ा, कृष्णु यादव, प्रो. वास्केल, श्रीमती रेखा बिसेन, डॉ. तंजीम कायनात शेख, शशांक कानुनगो, सोहेल कापड़िया, संदीप दासौंधी, श्री राधेश्याम जोशी, राहुल सेंगर एवं छात्राएँ उपस्थित रही।

कांग्रेस के विधायक से पूछने का समय पांच वर्षों में क्या काम किया - चौहान

भाजपा के विधानसभा कार्यकर्ता सम्मेलन में हाजरों की संख्या में आए कार्यकर्ता

माही की गूंज, अलीराजपुर।

2003 में भाजपा की सरकार बनने के बाद अलीराजपुर जिले का तेज गति से विकास हुआ था हमारे द्वारा जो घोषणा पत्र में बाते कहीं गई थी उसे हमने समय पर पुरा करते हुए अलीराजपुर को जिला बनाया। मां नर्मदा परियोजना का पानी खेतो मे पहुंचाने का काम किया। अलीराजपुर नगर में जल समस्या को देखते हुए फाटा परियोजना से पानी नगरवासियों को देने के साथ जिला चिकित्सालय में ट्रामा सेंटर, आदिवासी बच्चों की पढ़ाई के लिए आदर्श एकलव्य विद्यालय के साथ-साथ सीएम राइज विद्यालय देने का काम हमारी सरकार द्वारा किया गया। 2003 के पूर्व कांग्रेस ने 50 वर्ष प्रदेश में राज किया। उस समय का युवा याद करें कि दिग्विजयसिंह की कांग्रेस की सरकार के दौरान 24 घंटे में से मुश्किल से 4 घंटा बिजली मिलती थी पानी के लिए क्षेत्र में त्राही-त्राही मचती थी और सड़के तो जमीन पर थी ही नहीं क्षेत्र में चारो और उदासी का माहौल था और युवा बेरोजगार और किसान परेशाना था इन सभी चीजो से मुक्ति दिलाते हुए अलीराजपुर जिले को विकास की मुख्यधारा में जोडने का काम भाजपा सरकार द्वारा किया गया। लेकिन 2018 में कमलनाथ के झूठे वादे व कांग्रेस के झूठे घोषणा पत्र के चलते यहां पर कांग्रेस का विधायक बन गया।

अब विधायक से यह पूछने का समय आ गया है कि पिछले पांच वर्ष में अलीराजपुर विधानसभा में विकास के क्या क्या कार्य किए गए है और विधायक द्वारा जो वचन पत्र घर घर बटवाए गए थे उन वचनो का क्या हुआ। यह बात भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नागरसिंह चौहान ने आलीराजपुर विधानसभा के कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान कहीं। चौहान ने कहा कि, कांग्रेस ने झूठ बोलकर लोगों को ठगने का काम किया और फिर से झूठ बोलकर ये लोग ठगने के लिए आएंगे लेकिन क्षेत्र की जनता एक बार ठगा चुकी है अब कांग्रेस के मुगालते दूर हो जाएंगे।

इस दौरान पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष नानुराम कुमावत, विधानसभा प्रभारी ओम शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष मकू परवाल, प्रदेश कार्य समिति सदस्य किशोर शाह, वकीलसिंह ठकराला व समस्त मंडलो के मंडल अध्यक्ष मंचासीन थे।

क्षेत्र के विकास के लिए भाजपा जरूरी

इंदौर से आए वक्ता नानुराम कुमावत ने कहा, जिस प्रकार देश के विकास के लिए मोदी जरूरी है उसी प्रकार से प्रदेश व क्षेत्र के विकास के लिए भाजपा जरूरी है। भाजपा ही है जो हर वर्ग और हर क्षेत्र की चिंता करते हुए सभी जन समुदाय का विकास करती है।

इस दौरान प्रदेश कार्य समिति सदस्य वकीलसिंह ठकराला ने कहा कि, हमारी सरकार ने रोटी कपड़ा और मकान, पढ़ाई, लिखाई और दवाई सारी व्यवस्था आमजन के लिए की है। कार्यकर्ता तन मन से लगकर फिर से भाजपा को जिताने का काम करें।

प्रदेश कार्य समिति सदस्य किशोर शाह ने अपने संबोधन में केंद्र सरकार द्वारा 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन, प्रधानमंत्री आवास व आयुष्मान योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि जिले का 18 प्रतिशत आबादी इन योजनाओं से लाभांवित है। सोंडवा मंडल अध्यक्ष जयपाल सिंह खरत ने कांग्रेस विधायक के कार्यकाल में विकास के कोई कार्य नहीं होने की बात कहीं। स्वागत भाषण देते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष मकू परवाल ने कहा कि आज कार्यकर्ताओं का उत्साह देखकर एक नया जोश उत्पन्न हुआ है अब कार्यकर्ता इसी ताकत से बूथ तक जाकर भाजपा के पक्ष मे वोट करवाए जीत हमारी होगी।

हिंदू संगम का विरोध करने वाले बन रहे हनुमान भक्त भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नागरसिंह चौहान ने 2001 के हिंदू संगम की याद दिलाते हुए कहा कि, जब हम सेवा भारती के कार्यकर्ता के रूप में घर घर जाकर हनुमान जी के चित्र बांट रहे थे तो यहीं कांग्रेसी लोग थे जो गरीब आदिवासियों को भड़का रहे थे और हनुमान जी का विरोध कर रहे थे। इन्हीं कांग्रेसियों के द्वारा कावड़ यात्रा का विरोध भी उस समय जोर शोर से किया गया था। हनुमान जी और कावड़ यात्रा का विरोध करने वाले ये कांग्रेसी अब हनुमान भक्ती का ढोंग कर रहे है।

इस दौरान जोबट विधायक प्रतिनिधि विशाल रावत ने कहा कि जितना विकास 17 माह के जोबट विधायक के कार्यकाल मे हुआ है वह अपने आप में एक रिकार्ड है आप लोग अलीराजपुर विधायक से पुछे कि अलीराजपुर विकास के मामले में जोबट से पीछे क्यों हो गया है। संचालन युवा मोर्चा जिला महामंत्री अंकित शाह ने किया।

विश्व आदिवासी दिवस पर युवाओं ने निकाली विशाल रैली

परंपरागत प्रतीक चिन्हों के साथ लोक नृत्य की दी मनमोहक प्रस्तुति

माही की गूंज, आम्बुआ।

9 अगस्त के दिन विश्व आदिवासी दिवस का उत्साह आम्बुआ क्षेत्र में देखने को मिला। हालांकि प्रमुख कार्यक्रम जिला मुख्यालय पर रखा गया था जिसमें सम्मिलित होने आम्बुआ तथा आसपास से आदिवासी युवाओं की टोलियां परंपरागत अस्त्र-शस्त्र परिधान तथा लोक नृत्य करते हुए निकले, जिसका आम्बुआ बस स्टैंड पर स्वागत किया गया।

9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस के रूप में मनाया जाता है। आदिवासी बाहुल्य अलीराजपुर जिला मुख्यालय पर एक विशेष आयोजन रखा गया। जिसमें जिले के तहसील विकासखंड तथा ग्राम पंचायत क्षेत्र से समाज जनों ने भागीदारी की जिला मुख्यालय जाते समय आम्बुआ कस्बे में विशाल जुलूस परंपरागत अस्त्र-शस्त्र तीर कमान के साथ ही आदिवासी संस्कृति की पहचान सांस्कृतिक नृत्य डीजे की धुन पर युवाओं की टोलियों ने निकाला। आम्बुआ-जोबट तिराहे से कस्बे में होता हुआ जुलूस बस स्टैंड पर पहुंचा जहां पर रैली का नेतृत्व कर रहे युवा कांग्रेसी महेंद्र सिंह रावत तथा अन्य कार्यकर्ताओं का सरपंच रमेश रावत, हासिम अली, हुसैनी भाई, जगराम विश्वकर्मा, असलम खान, साजिद शेख आदि पुष्प वर्षा कर तथा हार माल से स्वागत किया। यहां से सभी अलीराजपुर मुख्यालय की ओर रवाना हुए। युवाओं की टोलियां में आम्बुआ के अतिरिक्त आगौनी, बोरझाड़, मोटाउमर, देकालकुआं, टेमाची, कालूवाट, इटारा, अडवाड़ा, झौरा, शीतगांव, सेवड़,जुवारी, आम्बी, सागोटा, हरदासपुर वेगड़ा आदि क्षेत्र से आदिवासी समाजजन चार पहिया दो पहिया वाहनों के माध्यम से सैकड़ो की संख्या में सम्मिलित हुए। रैली में टंट्या मामा बिरसा मुंडा अमर रहे के नारे लगे।

सावन के पांचवे सोमवार को महाआरती में उमड़ी भीड़, दिनभर चला पूजा-अर्चना का दौर

माही की गूंज, आम्बुआ।

कस्बे में हथिनी नदी किनारे स्थित शिवालय में अधिक मास के पांचवे सोमवार को दिनभर भक्तों का तांता लगा रहा। शाम को प्रदोष काल भोले का आकर्षक श्रृंगार फूलों की रंगोली तथा दीप जलाकर किया गया। रात 8 बजे महाआरती के पश्चात भजनों की मनमोहक प्रस्तुति तथा फलाहारी प्रसाद वितरण किया गया।

गूंज संवादाता को शिवालय के पुजारी शंकर लाल पारीख ने बताया कि, यहां हथिनी नदी किनारे स्थित अति प्राचीन शिवालय में सावन माह में प्रतिदिन भीड़ रहती है। छोटे बड़े सभी शिवभक्त भोलेनाथ की विभिन्न सामग्रियों से पूजा अभिषेक कर रहे हैं। बाल शिव भक्त मंडल के नन्हे बालक बालिका अपना विशेष योगदान दे रहे हैं। सावन मास के पांचवे सोमवार को सुबह से रात तक पूजा-अर्चना का सिलसिला चलता रहा। भोलेनाथ का गुलाब गेंदा फूल से रंगोली सजाकर मनमोहक श्रृंगार किया गया साथ ही दीपमाला से शिवालय रोशन किया गया। रात 8 बजे महाआरती पुजारी शंकर लाल पारीख, गोपाल कन्हैयालाल राठौड़ तथा बाल शिवभक्त इशिका राठौड़, खुशी राठौड़, मीठी माहेश्वरी आदि ने की। आरती पश्चात महिला शिव भक्तों तथा बाल शिव भक्तों ने मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी तत्पश्चात फलाहारी महा प्रसादी का वितरण किया गया।

अपने अपनों से आंखें चुरा रहे हैं, काले चश्मे की बिक्री बढ़ी

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ तथा आसपास के क्षेत्र में पिछले 1 सप्ताह से आई फ्लू बीमारी की चपेट में अनेक छोटे-बड़े आए हुए हैं। सार्वजनिक स्थलों स्कूलों आदि में ऐसे बीमारों को आने जाने से रोका जा रहा है अस्पतालों में इनकी भीड़ देखी जा सकती है। कस्बा आम्बुआ समीप ग्राम बोरझाड़ तथा अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में आंखों की बीमारी फैल रही है स्थिति यह है कि लगभग हर घर में इसके मरीज मिल जाएंगे छुआछूत की तरह मानी जा रही इस बीमारी से छोटे बड़े सभी पीड़ित हो रहें हैं। स्थिति यह है कि परिवार में ही परिवार वालें ऐसे बीमारों से आंखें चुराने को मजबूर है। आंखों की बीमारी से पीड़ित धूप तथा तेज रोशनी की बजाय अंधेरे में रहना पसंद कर रहे हैं। लोग एक दूसरे से हाथ मिलाने तथा आंख मिलाने से बच रहे हैं। चिकित्सकों की राय है कि, स्वयं इलाज न करें चिकित्सकों से संपर्क कर दवाइयां प्राप्त करें। एक दूसरे के संपर्क से बचे बीमारों के उपयोग की गई सामग्री (कपड़े साबुन आदि) के उपयोग से बचें बीमार अपने कपड़े रुमाल आदि स्वयं गर्म पानी से धोए आदि अनेक सावधानियां बरतने की सलाह दी जा रही है। दवाइयों से अधिक बिक्री काले चश्मे की हो रही है। यह चश्मे जहां बीमार पहन रहे हैं वहीं बीमारी ना हो इसलिए बचाव हेतु भी लोग पहन रहे हैं। आंखों की यह बीमारी क्षेत्र में कई सालों बाद आने की बात बुजुर्ग कर रहे हैं। क्षेत्र में ठंडा गरम मौसम होने से बीमारी की संभावना व्यक्त की जा रही है।

अखिल भारतीय वाल्मीकि समाज ने अपनी मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन, वेतन समय पर भुगतान करने की रखी मांग

माही की गूंज, अलीराजपुर।

अखिल भारतीय वाल्मीकि समिति के सदस्य के साथ नगर पालिका अलीराजपुर के सभी सफाई कर्मियों ने अलीराजपुर सीएमओ को ज्ञापन सौंपा। जिसमे नगर पालिका परिषद के सभी सफाई कर्मचारी को समय पर वेतन दिया जाने का उल्लेख किया। नगर पालिका परिषद इन सफाई कर्मियों को समय पर वेतन नहीं देने से सभी सफाई कर्मी आक्रोशित होकर नगर पालिका परिषद में सीएमओ को अपनी समस्या बताने के लिए नगर पालिका परिषद में एकत्रित हुए और अपनी जरूरी मांग के लिए ज्ञापन सौंपा। बताया कि, आगमी दिनों में समय पर वेतन नहीं दिया गया तो हम जिला कलेक्टर, मुख्यमंत्री और राज्यपाल को भी ज्ञापन भेजेंगे और नगर की सफाई भी रोक देंगे। स्थानीय सीएमओ ने सभी सफाई कर्मी और कर्मचारियों को समय पर वेतन उपलब्ध कराने का आश्वाशन दिया है।

फेमस लोगों के साथ फर्जी फोटो बना सोशल मीडिया पर करता था शेयर, किया गिरफ्तार

जबलपुर।

मध्य प्रदेश के जबलपुर में सोशल मीडिया शो-ऑफ करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। 28 वर्षीय व्यक्ति सोशल मीडिया पर गणमान्य व्यक्तियों की तस्वीरों से छेड़छाड़ कर बनाई गई अपनी तस्वीरें पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस डायरी अनुसार, महाराष्ट्र के गोंदिया जिले के निवासी आरोपी राहुल गिरी ने मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के कलेक्टर सहित गणमान्य व्यक्तियों के साथ एडिट की हुई विभिन्न तस्वीरें पोस्ट की थीं। सूचना के आधार पर पुलिस ने साइबर टीम की मदद से यहां शास्त्री नगर इलाके के एक मकान में उस व्यक्ति का पता लगाया और मंगलवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। इतना ही नहीं आरोपी के घर के बाहर चार पहिया वाहन मिला जिस पर 'अतिरिक्त सचिव' लिखी हुई प्लेट लगी थी।

आरोपी व्यक्ति के पास से एक मोबाइल फोन जब्त किया गया है। उसमें गणमान्य व्यक्तियों के साथ उसके द्वारा बनाई गई तस्वीरें पाई गईं। अधिकारी ने कहा कि व्यक्ति पर जालसाजी के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

भगवान श्रीराम को दी थी गाली, गरजा शिवराज का बुलडोजर

आगर मालवा।

मध्य प्रदेश के आगर मालवा जिले के नलखेड़ा में समुदाय विशेष के एक युवक की ओर से हिंदू देवी देवताओं पर आपत्तिजनक पोस्ट किए जाने के बाद मंगलवार रात को हिंदूवादी संगठनों ने जमकर बवाल काटा था। वायरल वीडियो में युवक भगवान श्रीराम को गाली देता नजर आ रहा है। हिंदू संगठनों ने पोस्ट डालने वाले समुदाय विशेष के युवक के खिलाफ केस दर्ज कर उसके मकान को तोड़ने की मांग रखी थी। अब राज्य सरकार का ऐक्शन सामने आया है। प्रशासन ने आरोपी का मकान ध्वस्त कर दिया है।

आगर मालवा जिले के नलखेड़ा में समुदाय विशेष इस आरोपी का एक वीडियो वायरल हुआ है। इसमें वह भगवान श्रीराम को गाली देता नजर आ रहा है। वीडियो के वायरल होने के बाद हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई। हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में जमा होकर मंगलवार देर रात को थाने का घेराव किया और नारेबाजी करते हुए आरोपी पर कार्रवाई की मांग की थी। हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने आरोपी पर प्रकरण दर्ज कर उसका मकान तोड़ने की मांग रखी थी।

बताया जाता है कि, जैसे ही नलखेड़ा थाने पर बवाल की खबर मिली पुलिस के आला अधिकारी नलखेड़ा थाने पहुंचे और आक्रोशित लोगों को शांत कराया। इसके बाद हिंदू जागरण मंच ने नलखेड़ा थाना प्रभारी को अयोध्या बस्ती नलखेड़ा में रहने वाले जावेद और उसके साथियों असलम और बंटी पर कार्रवाई को लेकर आवेदन दिया। पुलिस ने पोस्ट डालने वाले जावेद निवासी अयोध्याबस्ति नलखेड़ा के विरुद्ध मामला दर्ज किया। नलखेड़ा पहुंची एसडीएम किरण बरवड़े को भी हिंदू जागरण मंच ने आवेदन देकर आरोपी का मकान तोड़ने की मांग की।

इलाके में बढ़ते लोगों के आक्रोश को देखते हुए कानून व्यवस्था कायम करने के लिहाज से एसडीएम ने विधिवत सीमांकन की कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद प्रशासन हरकत में आया और भारी पुलिस बल के साथ पहुंचकर आरोपी का मकान ध्वस्त कर दिया। एसडीओपी पल्लवी शुक्ला ने बताया कि आरोपी जावेद पर आईटी एक्ट की धारा के तहत केस दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि प्रशासन ने सीमांकन की कार्रवाई करते हुए जेसीबी मशीन की मदद से मकान के अवैध हिस्से को तोड़ दिया है।

शक्ति मिली है तो उसका सदुपयोग करो- पूज्य संयत मुनिज

माही की गूंज, मेघनगर।

भगवान ने हमे इस संसार में जोहरी बना कर भेजा। यहाँ तरह-तरह के धर्म है असली क्या है, नकली क्या है इसकी हमे पहचान करनी है। तप विधि पूर्वक करना तप गुरु की आज्ञा से करना मान-सम्मान यश कीर्ति के लिये तप नही करना वर्तमान में भगवान जहाँ है वहां शरीर रहित है। जब वे धरती पर शरीर सहित थे तो उन्होंने शरीर से कैसा काम लिया तो आज वे भगवान बने। शरीर का उपयोग शुभ कार्यो में भी हो सकता है, अशुभ कार्यो में भी इस शरीर से मुक्ति प्राप्त की जा सकती है। एक दृष्टांत के द्वारा मुनिजी ने बताया कि, नाव का उपयोग एक किनारे से दूसरे किनारे तक जाने के लिये किया जाता है। अगर उसका उपयोग मौज मस्ती के लिये किया जाये तो क्या मतलब वैसे ही जीवन सद गति के लिये मिला है। अनंत जीव इस शरीर को प्राप्त करने बैठे है हमे कितनी पुण्यवानी से ये शरीर मिला है। शरीर के प्रति ममत्व छोड़ेंगे तो ही तप आराधना कर सकेंगे अगर इसे मौज मस्ती में लगा दिया तो भव भव भटकना पड़ेगा।

कई तपस्वी बड़ी तप आराधना में निरंतर आगे बढ़ रहे है

सामुहिक सिद्धितप तप आराधना में आज उपवास के बाद सामुहिक पारणा आयोजन में करीब 160 तप आरधको ने पारणा ,बियासन किया। पारणा बियासन, प्रभावना का लाभ श्रीमती वीणा देवी ,सुरेशचंद्रजी, रिंकुजी जेकीजी जैन परिवार ने लिया।

प्रवचन में प्रभावना श्री अणु जिनेन्द्र कृपा मंडल द्वारा वितरित की गई

पुज्य श्री के दर्शन, वंदन को लिमडी, संजेली, रतलाम, थांदला, कल्याणपुरा, रंभापुर, अगराल, बड़वाह, टांडा कई श्री संघ से श्रावक, श्राविका पधारें। सभी के अतिथ्य सत्कार की व्यवस्था श्री संघ द्वारा श्री महावीर भवन पर की गईं।

भाजपा के वनवासी या कांग्रेस के आदिवासी, 'दो पाटन के बीच में साबुत बचा ना कोई'

जिले में आदिवासियों पर चल रही राजनीति के क्या है मायने...? फायदा या नुकसान!

माही की गूंज, झाबुआ।
मुज्जमील मंसुरी

सोमवार को कांग्रेस की आदिवासी स्वाभिमान यात्रा का समापन जिला मुख्यालय पर हुआ। जिसमें कांग्रेस के प्रदेश स्तरीय नेताओं ने आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार पर अपनी बात रखी। इसी दौरान युवक कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष विक्रांत भूरिया के एक बयान पर जिले की राजनीति गर्मा गई है। इसके बाद कांग्रेस-भाजपा में वाक युद्ध शुरू हो गया है। अब सवाल यह उठ रहा है कि, भाजपा के वनवासी या कांग्रेस के आदिवासी...? मगर जिले के आम आदिवासियों के मन में जो बात घर कर रही है वह यह कि ÷चलती चक्की देखकर दिया कबीरा रोय, दो पाटन के बीच में साबुत बचा ना कोई÷। कुल मिलाकर जिस तरह से भाजपा-कांग्रेस में आदिवासी और वनवासी की जो लड़ाई शुरू हुई है। उसमें नुकसान सिर्फ जिले के आम आदिवासियों का ही दिखाई पड़ रहा है। जबकि जिले में और भी कई मुद्दे है जिन पर बात होनी चाहिए, लेकिन आमजन से जुड़े मुद्दे एक तरफ रह गए है और राजनीतिक दलों की लड़ाई इस बात तक पहुंच गई है कि, जिले के वासी आदिवासी है या वनवासी।

सोमवार को कांग्रेस की आदिवासी स्वाभिमान यात्रा के समापन अवसर पर यह सारा बखेड़ा शुरू हुआ। यात्रा के समापन अवसर पर कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ भी मौजूद रहे। कमलनाथ को सुनने के लिए बड़ी संख्या में जिले के ग्रामीण भी मौजूद रहे। मंच पर जब युवक कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष विक्रांत भूरिया के उद्बोधन की बारी आई तो माहौल में गर्माहट पैदा हो गई। विक्रांत भूरिया ने भाजपा पर निशाना साधते हुए यह कहा कि, भाजपा, आरएसएस वाले आदिवासियों को वनवासी कहते है। वनवासी का मतलब जंगली होता है। भूरिया ने लोगों से पूछा कि बताओ क्या हम जंगली है...? आज हमारे समाज में डॉक्टर, इंजीनियर, नौकरीपेशा और व्यापारी लोग है। हम आगे बढऩे वालों में से है।

जिसके जवाब में मंगलवार को भाजपा जिलाध्यक्ष भानू भूरिया ने प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर कहा कि, विक्रांत भूरिया असली आदिवासी नहीं है। उन्हे आदिवासी परंपरा और पूजा पद्धती की जानकारी नहीं है। कांतिलाल भी ऐसे ही हैं उन्हे कभी भीली भाषा में संवाद करते नहीं सुना। विक्रांत भूरिया के आदिवासी और वनवासी वाले बयान पर भानू भूरिया ने कहा कि, वनवासी और आदिवासी एक ही है। कांग्रेसी हमें जंगली कह रहे है। 60 वर्षों तक प्रदेश में कांग्रेस की सरकार रही, लेकिन आदिवासी नेताओं को पहचान तक नही मिल पाई है।

अब सवाल यह है कि, यदि इस तरह के वाक युद्ध से जिलेवासियों का कुछ भला होना होता तो शायद यह जिला बहुत आगे पहुंच गया होता, मगर ऐसा नहीं है। आज भी जिले की स्थिति जस की तस बनी हुई है। रोजगार की कमी और पलायन की मार सहते-सहते जिले को दशकों बीत गए मगर स्थितियों में कोई सुधार नहीं आया। हां इतना जरूर है कि, आदिवासियों के नाम पर जिले में खूब राजनीति होती रही है और चुनावी सालों में तमाम राजनीतिक आदिवासियों के नाम पर कई बोल बच्चन करते रहे है। बावजूद इसके इस जिले के आदिवासियों का विकास कछुआ चाल से ही हुआ है। प्रदेश में चाहे जिसकी सरकार रही हो लेकिन आदिवासियों के लिए किए गए वादे और घोषणाएं, रुपये में 20 पैसे भी जमीन पर नहीं उतर पाए है। जिसके कई उदाहरण जिले में भरे पड़े है। जिला हमेशा से ही पेयजल समस्याओं से जूझता रहा है जो आज भी जूझ ही रहा है। शिक्षा का स्तर भी निम्न स्तर का ही अब तक बना हुआ है। पलायन का दंश अब भी जिला झेल रहा है। मनरेगा में रोजगार की जगह भ्रष्टाचार भरा पड़ा है। सरकार किसी की भी रही हो लेकिन जिले के लिए विकास कछुआ गति से ही चला है। तीन या चार साल में पूर्ण होने वाली योजनाएं एक दशक में पूर्ण नहीं हो पा रही है। जिलेवासियों को रेल से जोडऩे की योजना करीब 13 साल से चल रही है काम भी हो रहा है लेकिन अब भी यह लगता है कि यह योजना आने वाले कई सालों तक पूर्ण नहीं हो पाएगी। सड़कों की भी यही कहानी है इस आदिवासी जिले से गुजरने वाले हाईवे को पूर्ण होने में इतना समय लगा रहा कि, वह वापस जंजर स्थिति में आने की कगार पर है। ऐसे कई मुद्दे है जो वनवासी और आदिवासी से उठकर जिले वासियों के मूल भूत मुद्दे है, जिस पर कभी कोई राजनीतिक दल खुलकर राजनीति करता दिखाई ही नहीं देता।

अब जिले में आदिवासी एकता, राजनीतिक दलों की खींचतान में खटाई में पड़ती नजर आ रही है। आदिवासी ही आदिवासी से यह सवाल कर रहा है कि, वह अपने आपको आदिवासी साबित करे। मगर राजनीति से हट कर गांव में रहने वाले मूल आदिवासियों को आज भी इस बात का इंतजार है कि उसे जिले में ही इतना रोजगार तो कम से कम मिले कि उसके परिवार का गुजर बसर हो सके। अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया हो सके। मगर जिले के आम आदिवासी तक यह सारी मूल भूल सुविधाएं भी सही ढंग से नहीं पहुंच पा रही है।

आदिवासियों पर हो रही इस राजनीति का जो विपरीत असर देखने को मिल रहा है वह आदिवासियों में आपस में जहर घोलने का काम करेगा। चूंकि यह साल चुनावी साल है तो आदिवासी वोट को अपने पक्ष में करने या बांटने के चक्कर में राजनीति दल पूरी तरह से जिले के आदिवासियों को उसी तरह पीस रहे है जिस तरह से चक्की के दो पाटों के बीच धान पिसता है।

इसका ताजा उदाहरण यह देखने को मिला कि 9 अगस्त को आदिवासी दिवस पर जिला मुख्यालय पर ही अलग-अलग गुटों, पार्टियों और ग्रुपों ने अपनी-अपनी यात्राएं और आयोजन अलग-अलग तरीके से अलग-अलग स्थान पर किए। जबकि यह दिवस शुद्ध रूप से आदिवासी दिवस है। मगर राजनीतिक पार्टियों ने आपसी प्रतिद्वंदिता के चलते इसके इतने टूकड़े कर दिये है कि, जिले का आदिवासी समाज पूरी तरह से बिखरा हुआ नजर आ रहा है।

376 के आरोपित जयेश पाटीदार की हुई 20 दिन में जमानत

जमानत के बाद चर्चाओं के दौर में ईजाफ़ा, जब जयेश था शादी-शुदा तो क्यों बनाए संबंध, न्यायालयो के फैसलों की भी हो रही चर्चा

एक महिला अपनी शारीरिक समस्या अपनी मां या परिवार की महिला को ही बताती है या शादी के बाद पति को, तो कविता ने जयेश को किस रिश्ते से बताई शादी के पूर्व ही अपने शारीरिक समस्या...?

माही की गूंज, झाबुआ/ खवासा

किसी सभ्य एवं प्रभुत्व परिवार में कोई मामला घटित होता है तो तय है वह आम चर्चा में तब्दील हो जाता है। कुछ ऐसा ही मामला जिले के थांदला थाने के ग्राम खवासा में 376 व पास्को एक्ट के तहत मामला सामने आया था। बदला हुआ नाम कविता जिसके साथ उसी के परिचित जयेश पिता झमकलाल पाटीदार ने अपनी विवाहित पत्नी को तलाक देने का वादा कर शादी का झांसा देकर 22 दिसंबर 2018 जब करीब साढे 17 वर्ष की कविता नाबालिक थी, जब से लेकर 10 जून 2023 कविता की शादी के बाद तक कविता को डरा-धमकाकर बलात्कार करने का मामला सामने आया। उक्त मामला सामने आने के बाद कई तरह के सवालिया निशान भी उठे और कई तरह की चर्चाओं का दौर भी चला।

माही की गूंज ने भी पूरी गंभीरता के साथ उक्त मामले को समाजहित में जागरूकता के लिए 13 जुलाई को जयेश की गिरफ्तारी के साथ ''2 मार्च को माता-पिता की कसम खाकर कहा जयेश मेरा भाई है और 27 जून को बताया जयेश को बलात्कारी'' ÷शीर्षक के साथ समाचार प्रकाशित किया था। हमेशा की तरह निष्पक्षता के साथ लिखा गया उक्त समाचार के साथ माही की गूंज की खवासा ही नहीं क्षेत्र एवं क्षेत्र के बाहर अन्य जिलों में भी सराहना की गई। तय है कि, पाठकों एवं आमजन की सराहना ही हमें सबल प्रदान करती है।

पास्को एक्ट के साथ धारा 376 के उक्त मामले में 12 जुलाई को जयेश स्वयं पेश हुआ एवं गिरफ्तार होकर 20वे दिन 31 जुलाई को झाबुआ की स्पेशल पास्को एक्ट के न्यायालय से आरोपित की जमानत हो गई। जिसके बाद उक्त मामले में चर्चाओं का रुख भी बदलने लगा।

सहमती से बने संबंधो पर उच्च न्यायालयो के फैसले सोषल मीडिया पर होने लगे वायरल

सोशल मीडिया पर इलाहाबाद, जबलपुर, उड़ीसा आदि ऐसे मामलों में हाईकोर्ट द्वारा दिए गए फैसलों की प्रकाशित समाचार पत्रो की कटिंग वायरल होने लगी। इन फैसलों में प्रथक-प्रथक मामलों में बताया गया कि, 17-18 साल की लड़की अपना भला-बुरा जानती है और वह अपना फैसला स्वयं ले सकती है। उक्त मामले में लड़की और आरोपीत आपस में सोशल मीडिया पर बात करते थे, दोस्ती होकर 2020 में लड़की को होटल ले गया और उसके साथ ज्यादती की। साथ ही आपत्तिजनक तस्वीरें भी खींची, वही लड़के ने अपने आप को कुंवारा बताया लेकिन वह शादीशुदा निकला। जिस पर न्यायालय ने अपने आदेश मैं कहा फरियादी पक्ष अनुसार लड़की 17 वर्ष की होकर नाबालिक थी लेकिन अदालत इस उम्र की लड़की को परिपक्व और मानसिक रूप से विकसित होती है और अपनी मर्जी से संबंध बनाने के लिए आजाद है।

पिडीता कविता जिसने अपनी शादी के बाद ही ससुराल में किये थे टोने-टोटके, बाद में जयेष के विरूद्ध करवाया मामला दर्ज।

वही एक मामले में एक हाईकोर्ट के आदेश में बताया गया कि, किसी भी रिश्ते की शुरुआत दोस्ती से होती है और यह रिश्ता आगे बढ़ता है। पुरुष, लड़की से शादी का वादा करता है और लड़की से सहमति के साथ शारीरिक संबंध बनाता है, जिसके बाद रिश्ते में दूरियां आ जाती है तो आरोपित के खिलाफ दुष्कर्म का आपराधिक कानून का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। यहां हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि, मामले में महिला को पहले से जानकारी में था की बात शादी तक नहीं पहुंचेगी इसके बावजूद उसने समझौता किया। ऐसे शारीरिक संबंधो को दुष्कर्म नहीं माना जा सकता। न्यायाधीश ने कहा अच्छे विश्वास के साथ किए गए वादे पूरे नहीं करना और शादी का झूठा वादा करने के बीच भी अंतर है। पहले मामले में ऐसे किसी भी शारीरिक संबंध में 376 के तहत मामला नहीं बनता है। जबकि बाद वाले मामले में शादी का वादा शुरुआत से ही झूठा या नकली होता है जो अभियुक्त द्वारा इस समझ पर दिया गया है कि, इसे तोड़ना ही है। मामले में आरोपित को बरी कर न्यायालय ने कहा लड़की को पता था कि, संभवतः शादी नहीं हो पाएगी बावजूद अपनी सहमति से संबंध बनाए।

शादी के 3 दिन पूर्व तक भी कविता ने जयेश को इस तरह से किये थे मेसेंज, पुरी वार्तालाप के माही की गूंज के पास है प्रूफ।

वहीं एक और हाईकोर्ट के फैसले में बताया कि, महिलाओं को कानूनी संरक्षण प्राप्त है। महिला, पुरुषों को आसानी से फसाने में कामयाब हो जाती है तथा अदालतों में ऐसे मामले बड़ी संख्या में आ रहे हैं जिसमें लड़कियां या महिलाएं आरोपित के साथ लंबे समय तक शारीरिक संबंध बनाने के बाद झूठे आरोपों पर रिपोर्ट दर्ज कराकर अनुचित लाभ उठाती है। कोर्ट ने इस तरह के मामलों में न्यायिक अधिकारियों को सतर्क रहने की सलाह भी दी है। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि, कानून पुरुषों के प्रति बहुत पक्षपाती है प्रथम रिपोर्ट में कोई भी बेबुनियाद आरोप के साथ किसी को भी ऐसे आरोपों के साथ फसाना बहुत आसान है। सोशल मीडिया, टीवी शो, फिल्मों आदि के माध्यम से खुले पन का फैशन या चलन फैल रहा है जिसका अनुकरण किशोर लड़के-लड़कियां कर रहे है। यहां हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि, दुर्भावनापूर्ण झूठे मामले दर्ज किए जा रहे है, पुलिस कि ऐसे मामलों में अहम भूमिका निभाई जाए तो ऐसे झूठे मामलों में कमी आ सकती हैं। हाईकोर्ट के आदि ऐसे फैसलों के प्रकाशित समाचार पत्रों की कटिंग सोशल मीडिया का समर्थन कभी भी नहीं करती है।

आरोपित जयेष हुआ 20 दिन में जमानत पर रिहा।

उक्त मामले में आपसी सहमति से बने संबंध व नव विवाहिता के द्वारा अपनी ससुराल में किए गए टोने-टोटके पर संबंध विच्छेद होने व जयेश द्वारा दूसरी पत्नी के रूप में स्वीकार नहीं करने पर कानून का सहारा लेकर दर्ज हुए मामले पर जयेश की जमानत के बाद देश की कई उच्च न्यायालय के फैसले एवं आदेश की कटिंग हो रही वायरल के पर सार्वजनिक होने के साथ ही जयेश पर दर्ज हुए मामला व 20 दिन में ही मिली न्यायिक जमानत से चर्चाओं के दौर में इजाफा हुआ है। यही कहा जा रहा है कि, जयेश की शादी 2017 में ही हो चुकी थी और अपने आपको पढ़ी-लिखी बताने वाली कविता ने जयेश के साथ संबंध बनाना ही पूर्णतः कविता की सहमति की शंका जताई जा रही है। वही आरोपित जयेश पाटीदार भी अपनी जमानत के बाद सवाल पूछे जाने पर कह रहा है, मेरे द्वारा किसी प्रकार से कोई जबरदस्ती नहीं की गई थी, शादी के बाद भी कविता द्वारा भेजे मैसेज पर मैंने यही सलाह दी थी कि, इस तरह के मैसेज या संबंध तेरी शादी के बाद भेजना व रखना गलत है और यह मामला सार्वजनिक होने पर अपने दोनों परिवार में दरार आकर तेरी शादी-शुदा जिंदगी खराब हो जाएगी की सलाह दी थी।

महिला संबंधी शारीरिक समस्याए मैसेज से बताई कविता ने जयेश को तो जबरदस्ती का मामला कैसे...?

हमारी कलम सदैव समाज को जागृत करने के लिए चलती है और हमारी कलम ऐसे अवैध संबंधों बाद, चल रही चर्चाओं में यही कहा जा रहा है कि, उक्त मामले में जयेश को न्यायिक फैसले में न्याय मिलेगा। अगर जयेश की पत्नी बनकर ही रहना था तो शादी के पूर्व भी कविता सार्वजनिक रूप से बता देती तो उसका हल पूर्व में ही निकल जाता। लेकिन सार्वजनिक चर्चा के दौर में यही कहा जा रहा की कविता के टोने-टोटके के खुलासे के बाद यह कृत्य किया गया है।

लोगों के मुंह व चर्चाओं का दौर कोई नहीं रोक सकता यह सत्य हैं और इन्हीं चर्चाओं के साथ अपने मेहंदी वाले दिन 2 मार्च को बदला हुआ नाम फरियादी कविता ने अपने ही किसी भाई का मोबाइल लेकर जयेश के व्हाट्सएप मैसेंजर पर रात 10 बजकर 56 मिनिट से गुड नाइट बेटुडा, मेरी जान, मेरा बेटुडा, माय लव यू 2 सो मच मेरी जान आदि मैसेज के साथ अपनी शारीरिक बीमारी बताई। जिसमें वॉशरूम जाने पर किस तरह की समस्या हो रही है जिसका कलर तक का उल्लेख कर मासिक धर्म में, मैं कहीं नहीं आ जाऊं तक की बात कही गई। जिसके तथ्यात्मक प्रूफ भी माही की गूंज के पास उपलब्ध है।

उक्त मैसेज को इत्तेफाक से रात्रि में जयेश की पत्नी ने देख लिया और जयेश की पत्नी ने जयेश बनकर उक्त चर्चा का हिस्सा सोशल मीडिया पर बनी और वॉशरूम में जाने के बाद, बताई समस्या के संबंध में मैसेंजर पर पूछा काई से...?

कविता का जवाब, पता नहीं पहली बार इस कलर की समस्या आई। सवाल- अच्छा और क्या आया..? जवाब- कुछ नहीं, वही वॉशरूम वाली बात रिपीट की गई। सवाल- ऐसे कैसे हो सकता है...? इन्हीं सवाल-जवाब के साथ अपनी बीमारी एवं मासिक धर्म में आ जाने की बात कही गई। वही खाना तक नहीं खाने की बात कही। सवाल में डॉक्टर को जाकर बता और इंजेक्शन लगाने की बात जयेश की पत्नी ने जयेश बनकर कही। तब जाकर कविता को मैसेंजर पर महसूस हुआ और बात कोन कर रहा है पूछा... और मैसेंजर के जवाब में अपने आपको जयेश ही बताया। कविता को शंका होने पर कविता ने मैसेज किया आप मुझे क्या बोलते हो बताओ... जिस पर बार-बार पूछने पर जयेश की पत्नी ने कह दिया मैं बोल रही हूं और सवाल किया, यह सब क्या है...? आपसे मुझे यह उम्मीद नहीं थी...? जिसका कोई जवाब कविता ने नहीं दिया।

जिसके बाद जयेश की पत्नी ने त्वरित फोन किया और दूसरे दिन 3 मार्च को स्वयं जयेश की पत्नी गई और कविता के परिवार के कुछ सदस्यों के समक्ष खुलासा करना चाहा कि, यह क्या है...? जिस पर कविता ने विश्वास अनुरूप जवाब दिया कि, भाभी मुझे पता चल गया था कि, मैसेंजर पर आप बात कर रहे हो, मैंने आपको चिढ़ाने के लिए मैसेज भेजे थे जयेश तो मेरा भाई है और माता-पिता की कसम खाकर जयेश को राखी बांधने तक का कहकर सभी को विश्वास में कविता ने ले लिया और मामला खत्म कर दिया गया । जिसके बाद शादी समारोह के दौरान 4 मार्च को कविता, उसके माता-पिता एवं परिवार के साथ जयेश की लड़की का जन्मदिन केक काटकर धुमधाम से मनाया।

उपरोक्त वाक्ये समाजजनों ने सार्वजनिक रूप से देखे। वहीं उपरोक्त शादी समारोह के दौरान ही मैसेज पर कविता ने जयेश व उसकी पत्नी से की गई बातें भी समाजजनों में चर्चा का विषय बनी हुई है। जिस पर यही कहा जा रहा है कि, आपसी रूप से बने ऐसे संबंधों में लड़की परिवार को भी अपने धैर्य व विवेकशीलता का परिचय देना था। न कि किसी के बहकावे में आकर पूरी तरह से अपनी लड़की के भविष्य से खिलवाड़ करना था। जयेश ने भी अपनी शादी के बाद कविता से बनाए संबंध पर समाजजनों का यही कहना है कि, जयेश एवं परिवार को भी अपनी परिपक्वता का परिचय देना था। इन्हीं चर्चाओं के साथ हाईकोर्ट के आए पुराने फैसलों पर भी चर्चा जोरों पर है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422